आषाढ़ शुक्ल पक्ष -6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 14 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 जुलाई 2026 रविवार

आज का मौसम
34.4 अधिकतम
26.5 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

सुपर संडे: किसके सिर सजेगा ताज...

फीफा वर्ल्ड कप: अर्जेंटीना और स्पेन में फाइनल आज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला आज स्पेन और अर्जेंटीना के बीच होगा। टूर्नामेंट में दोनों टीमें 60 साल बाद आमने-सामने हो रही हैं। न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में रात 12:30 बजे से मुकाबला खेला जाएगा। स्पेन 2010 के बाद दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बनने उतरेगा। दूसरी ओर डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना के पास चौथी बार ट्रॉफी जीतने और लगातार दूसरा वर्ल्ड कप अपने नाम करने का मौका होगा। जीत दर्ज करने पर अर्जेंटीना की टीम इटली (1938) और ब्राजील (1962) के बाद लगातार दो वर्ल्डकप जीतने वाली तीसरी टीम बन जाएगी।

पेज-7 भी देखें

तीसरा वनडे आज

22 साल से लॉर्ड्स में जीत का सूखा खत्म करने उतरेगी टीम इंडिया

भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे आज लॉर्ड्स में खेला जाएगा। दोनों टीमें सीरीज में 1-1 की बराबरी पर हैं। टीम इंडिया के सामने इस मुकाबले में 22 साल से लॉर्ड्स में वनडे जीत का सूखा खत्म करने का मौका होगा। भारत ने लॉर्ड्स में आखिरी वनडे में जीत 2004 में दर्ज की थी। इसके बाद खेले गए 4 मैचों में टीम को 3 हार मिलीं जबकि एक मुकाबला टाई रहा।

सात साल का इंतजार खत्म...

सिंधू ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

टोक्यो, एजेंसी। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने आखिरकार अपने लंबे खिताबी इंतजार को खत्म करते हुए आज जापान ओपन 2026 का महिला एकल खिताब जीत लिया। टोक्यो में खेले गए बीडब्ल्यूएफ सुपर-750 टूर्नामेंट के फाइनल में सिंधु ने मेजबान जापान की विश्व नंबर-तीन अकाने यामागुची को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से हराकर इतिहास रच दिया। करीब 50 मिनट तक चले मुकाबले में सिंधू ने शुरुआत से अंत तक आक्रामक खेल दिखाया और यामागुची को वापसी का मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ वह जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। सिंधू के लिए यह जीत कई मायनों में खास रही। उन्होंने दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद पहली बार कोई बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब अपने नाम किया।

न्यूज विंडो

मानसून सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है।मुख्य समिति कक्ष में हो रही इस बैठक में सरकार सभी राजनीतिक दलों से दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए सहयोग मांगेगी।

ग्वालियर: मलबे में दबा चाय का ठेला, महिला की गई जान

ग्वालियर, एजेंसी। ह्यह्य शहर के चिरवाई नाका क्षेत्र में आज सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। पहाड़ी पर बनी करीब 15 फीट ऊंची रिटेनिंग वॉल अचानक भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में नीचे चाय का ठेला लगाकर जीविकोपार्जन करने वाला परिवार आ गया। हादसे में 40 वर्षीय तराना की मौत हो गई, जबकि उसके पति राहुल उर्फ लल्ली (42) और देवर पप्पू गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का ट्रॉमा सेंटर में उपचार चल रहा है।

यूक्रेन पर ड्रोन हमला, गोदाम और तेल डिपो निशाने पर, 9 की मौत

मॉस्को/कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले साढ़े चार साल से जारी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच यूक्रेन ने रूस के भीतर एक बड़ा ड्रोन हमला करते हुए मॉस्को के पास स्थित दो बड़े गोदामों और एक तेल डिपो को निशाना बनाया। रूसी अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इन हमलों के बाद कई जगहों पर भीषण आग लग गई। इसके बाद आसपास के इलाकों को एहतियातन खाली करा लिया गया।

राजधानी के पास जगदीशपुर में मोहन कैबिनेट की मीटिंग, यूसीसी ड्राफ्ट को मंजूरी

धर्म कोई भी हो, पत्नी के जीवित रहते या तलाक के बगैर दूसरी शादी गैरकानूनी

- विवाह, तलाक, उत्तराधिकार एवं वसीयत के नए कानून लागू होंगे
- अनुसूचित जनजाति समुदाय को मिलेगी छूट
- 'अवैध बच्चा' या 'नाजायज औलाद' जैसे शब्द हटेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

समान नागरिक संहिता को लेकर आज मोहन यादव कैबिनेट ने ऐतिहासिक फैसला किया है जिसे अब कल 20 जुलाई से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। इसमें विवाह, तलाक और उत्तराधिकार एवं वसीयत से जुड़े विषय शामिल हैं। क़ानून से अब 'अवैध संतान' शब्द पूरी तरह समाप्त होगा। देश में यूसीसी पहले से चार राज्यों में लागू है लेकिन मध्यप्रदेश का क़ानून कुछ हद तक उत्तराखंड से मेल खाता है। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई ने ही उत्तराखंड में इसे तैयार किया था और मध्य प्रदेश की समिति की अध्यक्ष भी वही हैं। कानून के लागू होने बाद व्यक्ति का धर्म कोई भी हो, पहली पत्नी या पति के जीवित रहते और उससे तलाक लिए बिना दूसरी शादी करना पूरी तरह गैरकानूनी हो जाएगा।

प्रदेश सरकार ने यूसीसी का मसौदा तैयार करने के लिए समिति बनाई और अब लंबी कवायद के बाद इसके अंतिम ड्राफ्ट को कैबिनेट की मंजूरी मिली है। अनुसूचित जनजातियों के साथ-साथ घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों को नए कानून के दायरे से बाहर रखा जाएगा। बेटियों को पैतृक संपत्ति में बेटों के बराबर समान उत्तराधिकार हिन्दुओं में लागू है जिसे सभी समुदायों की बेटियों को देने की व्यवस्था की गई है। अभी हिंदुओं के लिए एक से ज्यादा शादी अपराध है। मुस्लिम पुरुषों को कुछ शर्तों के साथ अधिकतम चार विवाह की अनुमति मानी जाती है। यूसीसी लागू होने के बाद धर्म कोई भी हो, पहली पत्नी या पति के जीवित रहते और उससे तलाक लिए बिना दूसरी शादी करना पूरी तरह गैरकानूनी हो जाएगा।

भोपाल। पूरी कैबिनेट के साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव, मुख्य सचिव अनुराग जैन और अन्य सभी अधिकारी मीटिंग के लिए ई बस से जगदीशपुर पहुंचे।

लिव-इन कपल का रजिस्ट्रेशन जरूरी

प्रस्ताव के मुताबिक, हर लिव-इन कपल को अपने इलाके के डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार के पास रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा। रजिस्ट्रेशन होते ही इलाके के थाने और कपल के माता-पिता को आधिकारिक सूचना भेजी जाएगी। रजिस्ट्रेशन न कराने या गलत पहचान बताने पर 3 महीने तक जेल का प्रावधान है। लिव-इन से जन्मे बच्चों को वैध संतान के समान अधिकार मिल सकते हैं।

मुस्लिम महिलाएं पक्ष में

UCC का मसौदा तैयार करने से पहले राज्य स्तरीय समिति ने आम लोगों से सुझाव मांगे थे। समिति के मुताबिक, उसे करीब साढ़े नौ लाख सुझाव मिले। दावा किया गया है कि मुस्लिम पुरुषों में से 38% ने UCC का समर्थन किया जबकि 15 हजार मुस्लिम महिलाओं में से 10.5 हजार यानी करीब 80% ने इसके पक्ष में सुझाव दिए।

खड़गे-राहुल ने लिखा पीएम मोदी को पत्र

चंदा चोरी की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की जाए

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और व्यापक जांच कराने की मांग की है। खड़गे ने कहा कि लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था, भक्ति और भरोसे के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की थी, इस चोरी से वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने अपने संयुक्त पत्र में लिखा, 'आप श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में हजारों करोड़ रुपए की कथित चोरी से भली-भांति परिचित हैं। आपने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से आपकी सरकार ने की है। यह बात जगजाहिर है कि ट्रस्ट के सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और उनसे जुड़े संगठनों से संबद्ध हैं। इसके पूर्व महासचिव (चंपत राय) भी आपके करीबी सहयोगी थे। 'खड़गे और राहुल गांधी ने लिखा कि ऐसे अपराध के मामले में आपकी चुप्पी स्वीकार्य नहीं है।

एसआईटी कल सुप्रीम कोर्ट को सौंपेगी रिपोर्ट...पेज-8

आज का कार्टून

अधिग्रहित जमीन का उचित मुआवजा और पुनर्वास की मांग

केन-बेतवा प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे किसानों को पुलिस ने जबरन हटाया

छतरपुर, एजेंसी। केन-बेतवा लिंक परियोजना और अन्य विकास परियोजनाओं के कारण विस्थापित हुए आदिवासी किसानों का 14 दिनों से चल रहा जल सत्याग्रह और भूख हड़ताल आज तड़के पुलिस ने समाप्त कर दिया। किसानों के धरना स्थल से हटाए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। आंदोलनकारी किसानों ने पुलिस द्वारा लोगों को गिरफ्तार किए जाने का दावा किया हैं, लेकिन मौके पर मौजूद एडिशनल एसपी आदित्य पटले ने आंदोलनकारियों की गिरफ्तारी और हिरासत की बात से साफ इनकार किया है। दरअसल, मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थिति ग्राम कुपी में अंडर ब्रिज के नीचे वरान नदी के किनारे किसान पिछले कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे थे। वह अधिग्रहित जमीन का उचित मुआवजा और पुनर्वास की मांग कर रहे थे।

वांगचुक को निजी अस्पताल में शिफ्ट करने की मांग

पत्नी की हाईकोर्ट में याचिका, बोलीं- सफदरजंग अस्पताल गैरकानूनी डिटेंशन सेंटर जैसा बन गया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक की पत्नी ने उन्हें प्राइवेट हॉस्पिटल में शिफ्ट करने की मांग की है। पत्नी गीतांजलि आंगमो ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। आंगमो का कहना है कि उन्हें सफदरजंग अस्पताल पर भरोसा नहीं है। यह एक गैरकानूनी डिटेंशन जैसा बन गया है।

दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। अस्पताल में भी वांगचुक की भूख हड़ताल जारी है। आज उनकी भूख हड़ताल का 22वां दिन है। उन्होंने ड्रिप, ओआरएस और दवा लेने से इनकार कर दिया है।

सोनम वांगचुक की तरफ से उनके सोशल मीडिया पर लिखा गया कि 20 जुलाई को आजादी का दूसरा आंदोलन है। पेपर लीक जैसे अन्याय से आजादी और मेरी अवैध हिरासत जैसे डर से आजादी।

उधर जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है।अभिजीत दीपके भी भूख हड़ताल कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने 20 जुलाई को संसद तक मार्च निकालने की बात कही है।

पुरानी रंजिश

लाठी-तलवार और पत्थरों से दो भाइयों की हत्या, आरोपी धराए

उज्जैन। उज्जैन में पुरानी रंजिश के चलते दो सगे भाइयों की हत्या कर दी गई। एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे ने अस्पताल में दम तोड़ा। मामला नीलगंगा थाना क्षेत्र का है। वारदात के मुख्य आरोपी को पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर 5 अन्य आरोपियों को भी पकड़ लिया गया।

एडिशनल एसपी गुरु प्रसाद पराशर ने बताया कि पासी परिवार और गोरकर परिवार के बीच बीते होली के त्योहार पर एक महिला को लेकर विवाद हुआ था। उस समय पुलिस ने मामला शांत करा दिया था, लेकिन दोनों पक्षों के बीच रंजिश खत्म नहीं हुई। शनिवार देर रात दरबार फूड रेस्टोरेंट के

सामने दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। लाठी, डंडों, तलवार और पत्थरों से एक-दूसरे पर हमला किया। आरोप है कि पासी परिवार के सदस्यों ने ताबड़तोड़ चार राउंड फायर किए। एक गोली लोकेश गोरकर को लगी। उसकी मौके पर मौत हो गई।लोकेश के बड़े भाई जय और चचेरे भाई तपन को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दुनियाभर में चिंता

ईरान के सैन्य ठिकानों पर लगातार आठवीं रात बरसे अमेरिकी बम

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। अमेरिका ने लगातार आठवीं रात भी ईरान पर हवाई हमले किए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने खुद इन हमलों को मंजूरी दी थी और यह कार्रवाई जॉर्डन में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत के जवाब में की गई है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया कि इस बार हमलों का मुख्य निशाना ईरान के सैन्य ठिकाने, हथियारों के भंडार और लॉजिस्टिक्स सेंटर रहे। अमेरिकी सेना के मुताबिक, इन हमलों का उद्देश्य होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों को खतरा पैदा

करने की ईरान की क्षमता को कमजोर करना है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में पुलों और डिसैलिनेशन प्लांट पर भी हमले की बात कही गई है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की है। जंग में में दो और सैनिकों की मौत के साथ ही जान गंवाने वाले अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है।

बारिश का कहर

पुंछ और किश्तवाड़ में बादल फटे 11 लोगों की मौत, गाड़ियां बहीं

श्रीनगर/नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में शनिवार देर रात 3 बजे भारी बारिश के बाद फ्लैश फ्लड आ गई। इससे धारहाल नदी उफान पर है और न्यू बस स्टैंड बेला इलाके में पानी भर गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं।

उधर, पुंछ में रातभर हुई भारी बारिश के कारण 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 अन्य अब भी लापता हैं। वहीं, किश्तवाड़ जिले के डच्छन के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा है।

देश में मानसून के दूसरी बार एक्टिव होने से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल, उत्तर प्रदेश,

बिहार, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश जारी है। रविवार को भी उत्तराखंड और सिक्किम, बंगाल के लिए भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े- खच्चरों की सेवाएं रोक दी गई और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया।

दशहरा मैदान में 'क्रिकेट महाकुंभ' बल्ला और गेंद थामे नजर आए युवा

भोपाल. दोपहर मेट्रो। रविवार की छुट्टी का दिन और क्रिकेट का जुनून... यह नजारा भोपाल के भेल स्थित दशहरा मैदान में देखने को मिला। छुट्टी के दिन मैदान में बड़ी संख्या में युवा पहुंचे और अलग-अलग हिस्सों में क्रिकेट खेलते नजर आए। कोई बल्लेबाजी में हाथ आजमा रहा था तो कोई गेंदबाजी और फील्डिंग में अपनी प्रतिभा दिखा रहा था। मैदान में जगह-जगह युवाओं की टीमें मैच खेलती दिखाई दीं। क्रिकेट प्रेमियों से गुलजार मैदान का माहौल किसी बड़े खेल आयोजन जैसा नजर आया। युवाओं के लिए यह मैदान रविवार को मनोरंजन के साथ फिटनेस और दोस्तों के साथ समय बिताने का पसंदीदा ठिकाना बन गया। सुबह से ही क्रिकेट के दीवानों की भीड़ यहां जुटती रही।

BEd कॉलेजों के फर्जीवाड़े का खुलासा: एक ही पते पर मिले दो कॉलेज

NCTE की 7 सदस्यीय समिति ने 5 दिन में पूरी की जांच, शिक्षा मंत्रालय को सौंपी रिपोर्ट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) से संबद्ध बीएड महाविद्यालयों में फर्जीवाड़े और अनियमितताओं की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की सात सदस्यीय जांच समिति ने चार कॉलेजों का भौतिक सत्यापन कर अपनी रिपोर्ट मंत्रालय को सौंप दी है। जांच में सामने आया कि दो बीएड कॉलेज एक ही पते पर संचालित हो रहे थे, जबकि एक अन्य कॉलेज दिए गए पते पर मिला ही नहीं। समिति ने जियो-टैगिंग, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के जरिए संस्थानों का मौके पर सत्यापन किया।

समिति शुक्रवार को भोपाल पहुंची और चार महाविद्यालयों का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में जिन परिसरों में तीन कॉलेज संचालित होने की जानकारी थी, वहां एक अतिरिक्त बीएड कॉलेज भी चलता मिला। इसके बाद कुल चार संस्थानों का भौतिक सत्यापन किया गया। शनिवार को सेवियर महाविद्यालय की जांच के दौरान समिति को दिए गए पते पर संस्थान नहीं मिला। निरीक्षण के बाद सदस्यों ने बीयू के कुलगुरु प्रो. विवेक शर्मा से मुलाकात कर मामले पर चर्चा की। यह जांच एक समाचार रिपोर्ट के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर शुरू हुई थी। समिति को पांच कार्य दिवस में रिपोर्ट देने का जिम्मा सौंपा गया था। अब रिपोर्ट के आधार पर दोषी संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की तैयारी है।

जांच में खुली पोल

बीएड कॉलेजों के भौतिक सत्यापन के दौरान जांच समिति को एक ही पते पर दो संस्थान संचालित होते मिले। प्रारंभिक रिकॉर्ड में जिन परिसरों में तीन कॉलेजों के संचालन की जानकारी दर्ज थी, मौके पर एक अतिरिक्त बीएड कॉलेज भी पाया गया। इसके बाद समिति ने कुल चार संस्थानों का भौतिक सत्यापन किया। जांच के दौरान संस्थानों के वास्तविक संचालन, उपलब्ध सुविधाओं और रिकॉर्ड से जुड़े तथ्यों को मौके पर परखा गया। समिति ने पूरी प्रक्रिया की जियो-टैगिंग के साथ फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई। इस कार्रवाई का उद्देश्य कागजों में दर्ज जानकारी और जमीनी हकीकत के बीच अंतर की जांच करना था। निरीक्षण में सामने आए तथ्यों को समिति ने अपनी रिपोर्ट में शामिल किया है। जांच के दौरान एक बीएड कॉलेज ऐसा भी सामने आया, जिसका नाम और पता रिकॉर्ड में दर्ज था, लेकिन जब समिति मौके पर पहुंची तो वहां संस्थान का कोई अस्तित्व नहीं मिला। सेवियर महाविद्यालय के निरीक्षण के लिए पहुंची टीम को दिए गए पते पर कॉलेज नहीं मिला। इससे संस्थान की मान्यता और संचालन से जुड़े दावों पर सवाल खड़े हो गए हैं। समिति ने मौके पर स्थिति का सत्यापन किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पूरे मामले की जानकारी रिपोर्ट में दर्ज की गई। जांच समिति ने इस दौरान अन्य संस्थानों का भी भौतिक सत्यापन किया।

पांच दिन में जांच पूरी, अब कार्रवाई की बारी

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर गठित सात सदस्यीय जांच समिति को पांच कार्य दिवस में रिपोर्ट सौंपने का दायित्व दिया गया था। समिति ने तय समय सीमा में संस्थानों का निरीक्षण और भौतिक सत्यापन पूरा कर रिपोर्ट मंत्रालय को भेज दी है। समिति में दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एचसीएस राठौर, यूजीसी सदस्य आशिमा मंगला, शिक्षा मंत्रालय के अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल और जेपी सिंह तथा एनसीटीई के विजय राणा सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। समिति ने जियो-टैगिंग, फोटो और वीडियो के माध्यम से जांच की। अब रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वाले संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मामले में आगे की कार्रवाई शिक्षा मंत्रालय और संबंधित नियामक संस्थाओं के निर्णय पर निर्भर करेगी

इंजीनियरिंग की छात्रा ने लगाई फांसी, सुसाइड नोट में कहा-

पढ़ाई और जिंदगी से तंग आ चुकी हूं और मैं मौत की जिम्मेदार स्वयं हूं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कमला नगर थाना क्षेत्र में बीटेक प्रथम वर्ष की 19 वर्षीय छात्रा ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना शनिवार सुबह सामने आई, जब उसके पिता ने कमरे का दरवाजा खोलकर देखा तो बेटी फंदे पर लटकी हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी।

कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें छात्रा ने लिखा है कि वह पढ़ाई और जीवन से तंग आ चुकी है। उसने लिखा कि वह मौत की जिम्मेदार स्वयं है। पुलिस के अनुसार कोटरा सुल्तानाबाद निवासी अंजली राय, पिता देवनाथ राय, ने इसी वर्ष एक निजी इंजीनियरिंग कालेज में बीटेक प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। उसके पिता शासकीय स्कूल में शिक्षक हैं, जबकि मां गृहिणी हैं। परिवार में एक भाई और एक बहन भी हैं। शनिवार सुबह जब अंजली काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकली तो स्वजनों ने दरवाजा खोला। अंदर वह फंदे पर लटकी मिली। घटना की सूचना तत्काल कमला नगर थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया, पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी निरूपा पांडे का कहना है कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि छात्रा मानसिक रूप से तनाव में थी। उसके खुदकुशी के कारणों की जांच के लिए मोबाइल व अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

ड्रग्स : दो महिलाओं समेत 12 गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच ने दो दिनों में अलग-अलग कार्रवाई कर दो महिलाओं और एक विधि-विरुद्ध बालिका समेत 12 आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 74.27 ग्राम स्मैक, 927 ग्राम गांजा और 1.4 ग्राम एमडी ड्रग के अलावा एक कार, दो दोपहिया वाहन और सात मोबाइल जब्त किए हैं। पूछताछ में सामने आया कि स्मैक की सप्लाई राजस्थान के झालावाड़ से भोपाल तक की जा रही थी। क्राइम ब्रांच ने कटारा हिल्स स्थित पंडित दीनदयाल पार्क के पास दबिश देकर सात आरोपियों को पकड़ा। जांच में पता चला कि झालावाड़ के नानूराम तंवर, पप्पूलाल तंवर और देव सिंह तंवर स्मैक उपलब्ध कराते थे। शाहरुख अंसारी इसे भोपाल लाकर रितिक नामदेव, कौशल जाटव और चंदा सिसोदिया के जरिए शहर में खपाता था। पुलिस अब आरोपियों के मोबाइल और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। वहीं, टीला जमालपुरा पुलिस ने इस्लामी गेट ग्राउंड से वरुण दांगी को 9 ग्राम स्मैक के साथ पकड़ा। उसकी निशानदेही पर अनुज उर्फ अन्नू साहू भी गिरफ्तार हुआ। निशातपुरा से 426 ग्राम गांजे के साथ विमला उर्फ सुनीता, जबकि हबीबगंज से 501 ग्राम गांजे के साथ अशोक साकल्ले पकड़ा गया। शाहजहांनाबाद में 1.4 ग्राम एमडी के साथ विधि-विरुद्ध बालिका को हिरासत में लिया गया। पुलिस पूरे सिंडिकेट की तलाश में जुटी है।

दानपत्र से खुला ऐशबाग डबल मर्डर का राज

15 लाख रुपए जुटाने पहली पत्नी के जेवर बेचे, फिर खरीदीं 2 पिस्टलें

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ऐशबाग के सुदामा नगर में रिटायर्ड दंपती हेमंत फिलेमोन और शकुंतला फिलेमोन की दोहरी हत्या की जांच में पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपित श्रीकांत चिंचलिया ने मार्च में संपत्ति का दानपत्र बनवाने के बाद हत्या की साजिश को अंतिम रूप देना शुरू किया था। दानपत्र तैयार कराने में खर्च हुए करीब 15 लाख रुपये जुटाने के लिए उसने अपनी पहली पत्नी के जेवर तक बेच दिए थे। पत्नी को इसकी जानकारी नहीं थी।

पुलिस के अनुसार, दानपत्र बनने के बाद श्रीकांत ने आगर-मालवा से करीब एक लाख रुपये में दो अवैध पिस्टलें खरीदीं। पुलिस ने हथियार सप्लाई करने वाले अर्जुन गुर्जर को हिरासत में लेकर हथियारों की सप्लाई चेन की जांच शुरू कर दी है। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपित ने दंपती के मकान का फर्जी दानपत्र तैयार कराया था और वह उनकी प्राकृतिक मौत का इंतजार कर रहा था। इस बीच शकुंतला ने इलाज के खर्च के लिए मकान गिरवी रखकर बैंक ऋण लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इससे फर्जी दानपत्र का राज खुलने का डर श्रीकांत को सताने लगा और उसने हत्या की साजिश रची। मामले में गिरफ्तार श्रीकांत की दूसरी पत्नी विनी और बेटे हृदय को अदालत ने जेल भेज दिया है। वहीं, मुख्य आरोपित श्रीकांत और उसके भाई शशिकांत को 20 जुलाई को अदालत में पेश किया जाएगा। बड़े तालाब से दोनों पिस्टल बरामद करने वाले तीन गोताखोरों को पुलिस पांच-पांच हजार रुपये का पुरस्कार देगी।

हिंदी भवन में वरिष्ठ विमर्श का हुआ आयोजन

राजनीति की भाषा में दिनों दिन आती गिरावट चिंता का विषय - के.के .सेठी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

वरिष्ठ साहित्यकार चिंतक के.के .सेठी ने कहा कि राजनीति की भाषा में दिनों दिन गिरावट आई है। आज लोग राष्ट्रभाषा, राजभाषा मातृभाषा और संपर्क भाषा के महत्व व अंतर को समझें।' श्री सेठी 'भाषा की राजनीति और राजनीति की भाषा ' विषय पर वरिष्ठ विमर्श के अंतर्गत मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा आयोजित विमर्श की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर सुरेश पटवा ने भाषा में शिष्टता राजनीतिक भाषा की स्थिति का विस्तार से विश्लेषण किया।

साहित्यकार राजेश तिवारी ने कहा कि भाषा को सत्ता प्राप्त करने का साधन न बनाया जाए। वरिष्ठ साहित्यकार गोकुल सोनी बोले - भाषा में राजनीति के कारण उसे उचित दर्जा नहीं मिला जबकि वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती आशा सिन्हा कपूर ने भी राजनीति में संयमित भाषा की वकालत की। साहित्यकार कांता रॉय का कहना था- भारत में समाज सुधारकों ने देश को एक भाषा के सूत्र में बांधने का महत्वपूर्ण कार्य किया। साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत थे कि भाषा को हथियार नहीं औजार के रूप में प्रयोग करना चाहिए। साहित्यकार अशोक धर्मेनियां ने शब्द थे - अंग्रेजी राज कर रही है देशी भाषाएं सिसक रही हैं। साहित्यकार लक्ष्मीकांत जवने ने जरूरत बताई कि राजनीति की भाषा को लोगों को जोड़ने वाली होना चाहिए। आयोजन में संजय खरे, डॉ . मीना शुक्ला , डॉ.गिरजेश सक्सेना, डॉ क्षमा पांडेय,सुनील चतुर्वेदी,सरोज दवे,मनोरमा श्रीवास्तव , डॉ संजय सक्सेना ने भी अपने विचार रखे।

बारिश रूठी तो गधों को खिलाए गुलाब जामुन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में मानसून की बेरुखी से परेशान लोगों ने बारिश के देवता इंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए अनोखा टोटका अपनाया। स्थानीय लोगों ने पारंपरिक मान्यता के तहत गधों को गुलाब जामुन खिलाकर अच्छी बारिश की कामना की। इस अनोखे आयोजन की खबर फैलते ही आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। किसी ने इसे आस्था और परंपरा से जुड़ा कदम बताया, तो कुछ लोगों ने इसे बारिश के लिए किया गया प्रतीकात्मक प्रयास माना। अब टोटके के बाद लोगों की नजरें आसमान पर हैं और उन्हें उम्मीद है कि जल्द मानसून मेहरबान होगा।

दरअसल, राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के कई हिस्सों में इन दिनों बारिश का दौर थमा हुआ है। सुबह से निकल रही तेज धूप और बढ़ती उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम का मिजाज देखकर ऐसा लग रहा है जैसे मानसून के बीच गर्मी ने फिर दस्तक दे दी हो। तापमान में लगातार बढ़ोतरी के कारण लोग बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्रदेश में लगातार तीसरे दिन भी अच्छी बारिश नहीं होने से मानसूनी सीजन की औसत वर्षा का आंकड़ा भी प्रभावित हुआ है। मंगलवार को जहां प्रदेश में बारिश का आंकड़ा सामान्य से सात प्रतिशत कम था, वहीं बुधवार तक यह अंतर बढ़कर 11 प्रतिशत हो गया। ऐसे में किसान और आमजन दोनों चिंतित हैं। लोगों को उम्मीद है कि मानसून जल्द करवट लेगा और झमाझम बारिश होगी।

मेट्रो एंकर

पांच दिन बिना यात्रियों के होगा पहला ट्रायल, फिर यात्री सेवा का परीक्षण

15 अगस्त से राजधानी की सड़कों पर दौड़ेंगी 21 ई-बसें

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। सोमवार से भोपाल की सड़कों पर 21 नई इलेक्ट्रिक सिटी बसों का ट्रायल रन शुरू होगा। पहले चरण में पांच दिनों तक बसें बिना यात्रियों के दो रूटों पर दौड़ेंगी। इस दौरान बसों की बैटरी, चार्जिंग क्षमता, ब्रेकिंग सिस्टम, जीपीएस, आईटीएमएस और अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की जाएगी। साथ ही रूट की व्यवहारिकता, चार्जिंग के अंतराल और संचालन व्यवस्था को भी परखा जाएगा।

पहले चरण का ट्रायल सफल होने के बाद यात्रियों को बैठाकर दूसरे चरण का परीक्षण किया जाएगा। दोनों चरणों के परिणाम संतोषजनक रहने पर बसों को नियमित परिवहन सेवा में शामिल किया जाएगा। नगर निगम की योजना के अनुसार ट्रायल पूरा होने के बाद 15 अगस्त तक रूट फाइनल कर नियमित संचालन शुरू किया जा सकता है।

पहले बैरागढ़-मिसरोद रूट पर होगा ट्रायल

पहले चरण में बसें बैरागढ़ से मिसरोद के बीच चलेंगी, जबकि दूसरे रूट को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। सभी 100 बसें मिलने के बाद 10 रूटों पर संचालन की योजना है। इनमें सीहोर-रातापानी, फंदा-मंडीदीप, बिलखिरिया-सीहोर, परवलिया सड़क-औबेदुल्लागंज, सीहोर-कटारा बायपास, अटल बिहारी यूनिवर्सिटी-आरआरएफ कैंप बगरोदा समेत अन्य रूट शामिल हैं।

जनवरी में होनी थी सप्लाई, अब तक पहुंचीं सिर्फ 21 बसें

पीएम ई-बस सेवा के तहत प्रदेश में 500 इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जा रही हैं। इनमें से 100 बसें भोपाल को मिलनी हैं। इनकी आपूर्ति जनवरी 2026 में प्रस्तावित थी, लेकिन टेंडर प्रक्रिया और ऑपरेटर के चयन में देरी के कारण बसों की सप्लाई समय पर नहीं हो सकी। फिलहाल 100 में से 21 बसें राजधानी पहुंच चुकी हैं। नई 25 सीटर बसों में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। पूरी तरह वातानुकूलित इन बसों में ऑटोमेटिक गेट, सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन, फायर अलार्म, जीपीएस आधारित ट्रैकिंग और डिजिटल टिकटिंग सिस्टम की सुविधा होगी। दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म भी लगाया गया है। एक बार चार्ज होने पर बस करीब 180 किलोमीटर तक चल सकेगी। बैरागढ़ स्थित ई-बस डिपो में चार्जिंग स्टेशन समेत जरूरी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सब नागरिक समान सबको सम्मान

समानता और न्याय की भावना को समर्पित

मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद् बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

19 जुलाई 2026

जगदीशपुर, जिला भोपाल

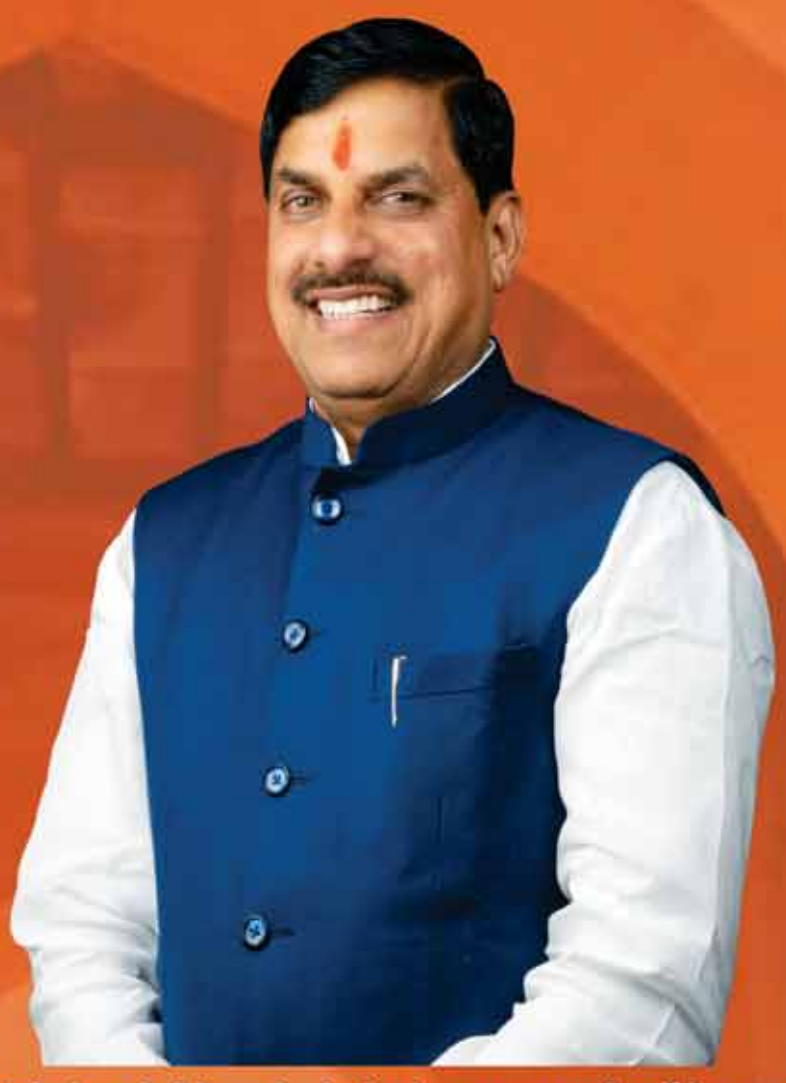

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार सभी वर्गों के साथ संतुलन बनाते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रदेश की जनहितैषी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

समान नागरिक संहिता

सभी जाति, धर्म या वर्ग के नागरिकों के लिए एक समान कानून सुनिश्चित होंगे

सभी पारंपरिक सांस्कृतिक विविधताएं, धार्मिक रीति-रिवाज पूरी तरह सुरक्षित होंगे

विवाह, तलाक, भरणपोषण, उत्तराधिकार जैसे मामलों में अब सभी को एक समान कानूनी सुरक्षा मिलेगी

जुबानी, एकतरफा और अनौपचारिक तलाक पूरी तरह गैर-कानूनी और दंडनीय होंगे

बहुविवाह पर पूरी तरह रोक एवं विवाह और तलाक पर पंजीयन अनिवार्य होगा

लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीयन अनिवार्य

माता-पिता की वैवाहिक स्थिति से परे सामान्य बच्चों की तरह जैविक, दत्तक, सेरोगेसी या एआरटी से जन्मे बच्चों को समान कानूनी मान्यता

जनजातीय संस्कृति और जीवन शैली का सम्मान करते हुए प्रदेश की भील, गोंड, कोरकू, बैगा, सहरिया और भारिया जैसी जनजातियों पर यह कानून लागू नहीं होगा

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026 D-11063/26 मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी/2026

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 19 जुलाई 2026

'स्लो लिविंग' का बढ़ता चलन

स्लो लिविंग का अर्थ काम छोड़ देना या महत्वाकांक्षी न होना नहीं है। इसका मतलब है हर काम को पूरी सजगता के साथ करना, अनावश्यक भागदौड़ कम करना और समय को केवल कमाने में नहीं, बल्कि जीने में भी लगाना। इस सोच में यह माना जाता है कि जिंदगी की गुणवत्ता उसकी रफ्तार से नहीं, बल्कि अनुभवों से तय होती है।

धीमी रफ्तार भी हो सकती है बेहतर जिंदगी का रास्ता

सुबह आंख खुलते ही मोबाइल स्क्रीन, फिर जल्दी-जल्दी तैयार होकर ऑफिस की दौड़, पूरे दिन मीटिंग, ट्रैफिक, घर लौटकर भी लैपटॉप और सोशल मीडिया। आज की जिंदगी इतनी तेज हो चुकी है कि कई लोगों को यह याद ही नहीं रहता कि उन्होंने आखिरी बार बिना किसी जल्दबाजी के चाय कब पी थी या परिवार के साथ इत्मीनान से बातचीत कब की थी। यही वजह है कि दुनिया भर में अब 'स्लो लिविंग' यानी धीमी और सजग जीवनशैली का चलन तेजी से बढ़ रहा है।

एक उदाहरण भोपाल के 38 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल अमित का है। पहले वह रोज 12 घंटे काम करता था। तनाव इतना बढ़ गया कि डॉक्टर ने आराम की सलाह दी। अमित ने तय किया कि वह शाम सात बजे के बाद कोई ऑफिस कॉल नहीं उठाएगा, सप्ताह में एक दिन पूरी तरह परिवार के नाम रहेगा और रोज आधा घंटा पैदल चलेगा। कुछ महीनों में उसकी नींद सुधरी, चिड़चिड़ापन कम हुआ और काम की गुणवत्ता भी पहले से बेहतर हो गई।

स्लो लिविंग का मतलब क्या है?

स्लो लिविंग का अर्थ जिंदगी की गति रोक देना नहीं, बल्कि उसे अपनी जरूरतों के अनुसार संतुलित करना है। इसमें हर समय उपलब्ध रहने की मजबूरी से बाहर निकलना, मोबाइल और सोशल मीडिया पर बिताया समय सीमित करना, परिवार और दोस्तों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना, आराम से भोजन करना, पर्याप्त नींद लेना और अपने शौक के लिए समय निकालना शामिल है। इसका मूल संदेश है– 'कम भागिए, लेकिन बेहतर तरीके से जीएं। '

आज कई युवा बड़ी नौकरी और अच्छी आय के बावजूद मानसिक थकान महसूस कर रहे हैं। वे छुट्टियों में पहाड़ों या गांवों की ओर इसलिए नहीं जाते कि वहां कोई बड़ी सुविधा है, बल्कि इसलिए कि वहां कुछ समय के लिए जीवन की रफ्तार धीमी हो जाती है। यही अनुभव उन्हें मानसिक सुकून देता है। दिल्ली की एक कॉर्पोरेट कंपनी में कार्यरत प्रिया ने सप्ताहांत पर मोबाइल से दूरी बनाने का नियम बनाया। पहले हर पांच मिनट में नोटिफिकेशन देखने की आदत थी। अब वह शनिवार की शाम को फोन साइलेंट कर किताब पढ़ती हैं, पौधों की देखभाल करती हैं और परिवार के साथ समय बिताती हैं। उनका कहना है कि इससे सोमवार का तनाव काफी कम महसूस होता है।

संतुलित जीवनशैली

जो लोग संतुलित जीवनशैली अपनाते हैं, वे अक्सर बेहतर नींद लेते हैं, रिश्तों में अधिक समय दे पाते हैं और तनाव को बेहतर ढंग से संभालते हैं। भोजन जल्दबाजी में नहीं बल्कि आराम से करने से पाचन बेहतर रहता है। बच्चों के साथ समय बिताने से पारिवारिक संबंध मजबूत होते हैं। लगातार स्क्रीन देखने की आदत कम होने से आंखों और दिमाग दोनों को आराम मिलता है। सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना सीखता है। लेकिन हर चलन की तरह इसके कुछ व्यावहारिक पक्ष भी हैं। यदि स्लो लिविंग को गलत तरीके से समझ लिया जाए तो यह आलस्य या जिम्मेदारियों से बचने का बहाना बन सकता है। कुछ लोग 'आराम से जीने' के नाम पर समय प्रबंधन छोड़ देते हैं, जिससे काम का दबाव और बढ़ जाता है। कई पेशों में समय सीमा का पालन करना अनिवार्य होता है। ऐसे में पूरी तरह धीमी गति अपनाना संभव नहीं होता।

इसके अलावा, सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली 'परफेक्ट स्लो लाइफ' भी भ्रम पैदा कर सकती है। सुंदर कैफे, महंगी यात्राएं और आलीशान घर ही स्लो लिविंग नहीं हैं। वास्तव में यह सोच किसी भी आय वर्ग का व्यक्ति अपना सकता है। अपने परिवार के साथ भोजन करना, रोज कुछ देर टहलना या बिना मोबाइल के आधा घंटा बिताना भी इसकी शुरुआत हो सकती है।

कोरोना महामारी के बाद लोगों ने यह महसूस किया कि केवल करियर ही जीवन नहीं है। अब कई कंपनियां कर्मचारियों को 'वर्क-लाइफ बैलेंस' पर जोर देने लगी हैं। कुछ संस्थानों ने 'नो मीटिंग फ्राइडे', लचीले कार्य घंटे और मानसिक स्वास्थ्य अवकाश जैसी पहल भी शुरू की हैं। इससे यह संदेश जाता है कि बेहतर काम के लिए बेहतर जीवन जरूरी है।

स्लो लिविंग सभी के लिए संभव है

इसके लिए नौकरी छोड़ने या शहर बदलने की जरूरत नहीं है। दिन में कुछ समय बिना मोबाइल के बिताना, एक समय का भोजन परिवार के साथ करना, सप्ताह में एक दिन अपने शौक को देना, हर काम के बीच थोड़ा विराम लेना और रात को पर्याप्त नींद लेना–यही इसकी शुरुआत है। छोटी-छोटी आदतें मिलकर जीवन की गुणवत्ता में बड़ा बदलाव ला सकती हैं। तेज रफ्तार दुनिया में सफलता जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है उस सफलता का आनंद लेने की क्षमता। यदि हर दिन केवल भागदौड़ में बीत जाए तो मंजिल मिलने के बाद भी संतोष नहीं मिलता। स्लो लिविंग यही याद दिलाती है कि जिंदगी कोई दौड़ नहीं, बल्कि एक यात्रा है। इस यात्रा में रफ्तार से ज्यादा मायने यह रखता है कि हम रास्ते के कितने खूबसूरत पड़ाव महसूस कर पाए।

जीवन ज्योति

सहनशीलता खोती दुनिया में प्रेम ही सबसे बड़ी शक्ति

सिस्टर बीके शिवानी
आध्यात्मिक गुरु

आज हमारे जीवन में सुविधाएं बढ़ी हैं, तकनीक बढ़ी है, जानकारी बढ़ी है, लेकिन सहनशीलता लगातार घटती जा रही है। छोटी-सी बात पर गुस्सा, सोशल मीडिया पर कटु टिप्पणी, सड़क पर झगड़ा, घर में तकरार और रिश्तों में दूरी–यह सब इस बात का संकेत है कि हमने अपनी आंतरिक शांति को बाहरी परिस्थितियों के हवाले कर दिया है। मैं हमेशा कहती हूं कि सहनशीलता कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल की सबसे बड़ी पहचान है। जो व्यक्ति स्वयं पर नियंत्रण रख सकता है, वही वास्तव में शक्तिशाली है। जो हर बात पर प्रतिक्रिया देता है, वह अपने मन का मालिक नहीं, बल्कि परिस्थितियों का गुलाम बन जाता है।

आज लोग कहते हैं, 'मेरा स्वभाव ही ऐसा है, मैं तुरंत गुस्सा हो जाता हूं।' लेकिन मैं पूछती हूं, क्या गुस्सा हमारा स्वभाव है या वर्षों से बनाई गई आदत? यदि यह आदत है, तो इसे बदला भी जा सकता है। हर सुबह अपने मन में एक संकल्प लें– 'आज कोई भी परिस्थिति मेरी शांति नहीं छीन पाएगी।' धीरे-धीरे यह संकल्प आपका संस्कार बन जाएगा। समाज में बढ़ती असहिष्णुता का एक बड़ा कारण यह भी है कि हम हर व्यक्ति से अपनी सोच के अनुसार व्यवहार की अपेक्षा करते हैं। याद रखिए, हर आत्मा अलग है, हर व्यक्ति का अनुभव अलग है, इसलिए विचार भी अलग होंगे। मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मनभेद होना हमारी पसंद है। जब कोई व्यक्ति आपके साथ कठोर व्यवहार करता है, तो उसके शब्दों को नहीं, उसके दर्द को देखिए। जो भीतर से शांत और खुश होता है, वह दूसरों को चोट नहीं पहुंचाता। इसलिए किसी की कटुता का उत्तर कटुता से नहीं, बल्कि स्थिरता से दीजिए। आज परिवारों में भी संवाद कम और निर्णय अधिक हो गए हैं। हम सुनते कम हैं, जवाब जल्दी दे देते हैं। यदि हम केवल पांच मिनट किसी अपने की बात बिना टोके सुन लें, तो कई विवाद वहीं समाप्त हो सकते हैं। सुनना भी प्रेम का एक रूप है। दिन की शुरुआत मोबाइल से नहीं, अपने मन से कीजिए। कुछ मिनट मौन में बैठिए, स्वयं को सकारात्मक विचार दीजिए और यह याद रखिए कि आपकी ऊर्जा ही आपके घर और समाज का वातावरण बनाती है। हम दुनिया को बदलने की कोशिश में लगे रहते हैं, जबकि परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से होती है। यदि मैं शांत हूं, तो मेरा परिवार शांत होगा। परिवार शांत होगा, तो समाज में भी शांति बढ़ेगी। सहनशीलता कोई बड़ा अभियान नहीं, बल्कि हर दिन लिया गया एक छोटा-सा निर्णय है। आइए, आज हम यह संकल्प लें कि हम प्रतिक्रिया नहीं, समझदारी चुनेंगे; क्रोध नहीं, करुणा चुनेंगे; और असहिष्णुता नहीं, सहनशीलता को अपनी पहचान बनाएंगे। यही हमारे जीवन की सबसे बड़ी सफलता होगी।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 19 से 25 जुलाई तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि के जातक इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत हैं। व्यापार व्यवसाय एवं अपने कार्य क्षेत्र में उपस्थित बाधाओं को दूर करने में सक्षम रहेंगे। आपके घर परिवार में आगामी दिनों में होने वाली मांगलिक कार्य की तैयारी पूर्णता की ओर होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह अत्यंत परिश्रम भरा रहने के संकेत हैं। आशा के विपरीत आपके अधिनस्थ और उच्च पद प्रतिष्ठा वाले लोगों से परिणाम न मिलने से मन में व्यग्रता का भाव रह सकता है, लेकिन सप्ताह के अंत में कुछ कार्य संपन्न होने के संकेत मिल रहे हैं,अत: निराश ना हो।

मिथुन: राशि के जातक इस सप्ताह में धनागम, व्यापार, व्यवसाय विशेष रूप से साहित्य जगत में कार्य करने वाले जातक लेखन पत्रकारिता आदि के क्षेत्र में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे। आप अपने बौद्धिक स्तर से मान सम्मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सक्षम रहेंगे, आय के साधन बढ़ेंगे, तथा बच्चों के कार्य समय पर होने से मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।

कर्क: राशि के जातक इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, विशेष रूप से मांगलिक कार्य धार्मिक यात्रा तीर्थ स्थलों का दर्शन एवं प्राकृतिक स्थान का भ्रमण जैसे कार्य में समय व्यतीत होगा, और घर परिवार के साथ भ्रमण का आनंद और यात्रा का अवसर आपके मन को प्रफुल्लित करेगा, संतति के कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह : राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में व्यवहार की अधिकता रहने के संकेत मिल रहे हैं, आगामी दिनों में बच्चों की शिक्षा दीक्षा साथी घर की परिवार की अन्य व्यवस्थाओं में आपकी व्यस्तता रहने की संकेत है, और आय से अधिक व्यय का भार आ सकता है, अत: अपने आर्थिक कार्यों में विशेष सावधानी रखना नितांत आवश्यक है, मानसिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह अत्यंत अनुकूल होने के संकेत मिल रहे हैं, घर परिवार के लोगों के द्वारा साथी मित्रों के द्वारा आपको उत्तम सहयोग प्राप्त होगा, जिससे कई दिनों से लंबित कार्य संपन्न हो सकता है, संतति के कार्यों में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल होने के संकेत हैं, व्यापार व्यवसाय कृषि एवं अन्य कार्यों में आपको उत्तम लाभ के संकेत मिल रहे हैं, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को उत्तम पद प्रतिष्ठा एवं मान सम्मान प्राप्त होगा।

वृश्चिक: राशि के जातकों को आर्थिक प्रभार बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं आए और व्यय में संतुलन बनाकर रखने की आवश्यकता है, आय से अधिक व्यय करने से बच्चे साथी अनावश्यक व्यय करना आपको कठिनाई में डाल सकता है पता लेनदेन में विशेष सावधानी रखें।

धनु: राशि के जातक इस समय कुछ कठिनाई के दौर से गुजर रहे हैं आपको घर परिवार के किसी बुजुर्ग के कारण मानसिक चिंतन बना हुआ है, उनके स्वास्थ्य की अथवा अन्य किसी प्रकार की चिंता कठिनाई में डाले हुए हैं, आप अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें शरीर में पीड़ा मन में चिंता रहने से आपको कठिनाई महसूस हो रही है,ऐसे समय में हनुमान जी की आराधना, उपासना, शनि का दान करना उत्तम फल देने वाला रहेगा।

मकर: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, जिस लक्ष्य को लेकर आप निरंतर परिश्रम कर रहे हैं ,उसे लक्ष्य की पूर्ति का संकेत मिल रहा है, और आप निरंतर अपने कार्यों में निष्ठा के साथ लग रहे भविष्य में आपको उत्तम सफलता प्राप्त होगी, व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को आगामी दिनों में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे।

कुंभ: राशि के जातक निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होने के संकेत मिल रहे हैं, आपके द्वारा किए गए प्रयासों से सामाजिक आर्थिक एवं अन्य मोचन पर घर परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ेगी, व्यापार व्यवसाय में प्रगति होने से साथी घर परिवार के कार्यों को करने में सफलता मिलने से परिवार में आनंद का वातावरण बना रहेगा।

मीन: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में कुछ उतार चढ़ाव एवं मानसिक चिंतन का समय रहेगा, ऐसे अवसर पर वरिष्ठ जनों एवं गुरुजनों से मिलकर सलाह लेकर अपने कार्यों का संपादन करें, नवीन व्यापार व्यवसाय अथवा किसी भवन भूमि या वस्तु के क्रय विक्रय में सोच समझकर कार्य करें अन्यथा आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है स्वास्थ्य के प्रति सजगता रखें, उधर विकार से आपको कठिनाई हो सकती है।

दिया कबीरा रोय

फ्री की राजनीति और मुफ़्त का नागरिक

हमारा देश सचमुच महान है। यहाँ अब नागरिक की पहचान उसके आधार कार्ड से कम और इस बात से ज़्यादा होती है कि उसे क्या-क्या मुफ़्त मिला है। पहले लोग पूछते थे– 'क्या करते हैं?' अब सवाल बदल गया है– 'क्या-क्या फ्री मिला? 'राजनीति भी बड़ी संवेदनशील हो गई है। उसे जनता की तकलीफ़ से उतनी चिंता नहीं जितनी इस बात की कि कहीं कोई दूसरी पार्टी जनता को उससे ज़्यादा मुफ़्त न बाँट दे। एक पार्टी ने बिजली मुफ़्त की, दूसरी ने पानी जोड़ दिया। तीसरी बोली– 'रुकिए, अभी तो शुरुआत है।' चौथी ने घोषणा कर दी कि भविष्य भी मुफ़्त मिलेगा, बस वोट की रसीद संभालकर रखिए।

अब चुनावी घोषणापत्र कम और ऑनलाइन शॉपिंग की 'मेगा सेल' का विज्ञापन ज़्यादा लगते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि वहाँ लिखा होता है– 'शर्तें लागू ' , और यहाँ शर्तें चुनाव के बाद लागू होती हैं। मुफ़्त की इस संस्कृति ने नागरिक को भी बड़ा व्यावहारिक बना दिया है। वह अब सरकार से यह नहीं पूछता कि अस्पताल में डॉक्टर क्यों नहीं हैं, स्कूल में शिक्षक क्यों नहीं हैं या सड़क हर बरसात में नदी क्यों बन जाती है। उसका पहला सवाल होता है– 'अच्छा, इस बार फ्री में क्या मिलेगा?' लोकतंत्र का स्तर अब बहस से नहीं, पैकेज से तय होने लगा है।

नेताओं की सभाएँ भी दिलचस्प हो गई हैं। भाषण में विकास, रोजगार और अर्थव्यवस्था जैसे शब्द बीच-बीच में सिर्फ इसलिए आते हैं ताकि 'मुफ़्त' शब्द तक पहुँचने का रास्ता बन सके। जैसे ही मंच से घोषणा होती है– 'हम देंगे... ', भीड़ का ध्यान अचानक लौट आता है। तालियाँ इस बात पर नहीं बजतीं कि देश आगे बढ़ेगा, बल्कि इस उम्मीद पर बजती हैं कि जेब बच जाएगी। उधर नागरिक भी कम चतुर नहीं। वह हर चुनाव में अपने सिद्धांतों की अलमारी खोलता है, धूल झाड़ता है और फिर उसे वापस बंद करके हिसाब लगाने बैठ जाता है–किसके वादे का कुल योग ज़्यादा है। लोकतंत्र अब विचारों की नहीं, ऑफरों की तुलना का उत्सव बनता जा रहा है।

सबसे मज़ेदार स्थिति तब होती है जब मुफ़्त की आदत धीरे-धीरे अधिकार का रूप ले लेती है। फिर कोई पूछ बैठे कि भाई, यह सब आएगा कहाँ से? तो उसे तुरंत अर्थशास्त्र का दुश्मन, जनता-विरोधी और विकास का शत्रु घोषित कर दिया जाता है। मानो सरकारी खज़ाना हिमालय की कोई ऐसी गुफा हो, जहाँ नोट अपने आप उगते हों। विडंबना यह है कि जो चीज़ हमें मुफ़्त दिखाई देती है, उसका बिल अंततः कहीं न कहीं हम ही चुकाते हैं–कभी करों के रूप में, कभी महँगाई के रूप में और कभी घटती सार्वजनिक सुविधाओं के रूप में। लेकिन यह हिसाब चुनावी मंच पर नहीं पढ़ाया जाता, क्योंकि वह तालियाँ नहीं दिलाता।

कहते हैं लोकतंत्र जागरूक नागरिकों से चलता है। शायद अब इस पर एक फुटनोट जोड़ देना चाहिए– 'यदि नागरिक ऑफ़र की शर्तें पढ़ने की ज़हमत उठाए।'

आख़िर में यही लगता है कि मुफ़्त की राजनीति का सबसे बड़ा चमत्कार यह नहीं कि वह चीज़ें बाँट देती है, बल्कि यह है कि वह नागरिक को धीरे-धीरे उपभोक्ता में बदल देती है। और जब नागरिक अपने अधिकारों, कर्तव्यों और सवालों की जगह सिर्फ मुफ़्त की सूची याद रखने लगे, तब समझ लीजिए कि लोकतंत्र मतदान केंद्र से निकलकर किसी विशाल सुपरमार्केट की ट्रॉली में बैठ चुका है–जहाँ हर ऑफर चमकदार है, लेकिन अंतिम बिल हमेशा जनता के नाम ही बनता है।

यूज़र्स गाइड

क्लेम में परेशानी से बचने के लिए पीएफ अकाउंट में अपडेट करें प्रोफाइल फोटो

कई नौकरीपेशा लोग हर महीने अपने पीएफ खाते में पैसा जमा तो करते हैं, बैलेंस भी चेक करते हैं, लेकिन अकाउंट में लगी प्रोफाइल फोटो अपडेट करना भूल जाते हैं। यही आगे चलकर ऑनलाइन सर्विसेस के इस्तेमाल में ये जरूरी होता है। अगर फोटो पुरानी है या प्रोफाइल में मौजूद ही नहीं है, तो समय रहते इसे अपडेट कर लेना बेहतर रहेगा।

दरअसल, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने अपने सभी मेंबर्स को सलाह दी है कि वे अपने पीएफ अकाउंट में हाल की पासपोर्ट साइज फोटो जरूर अपडेट रखें। प्रोफाइल की सही जानकारी, खासकर अपडेटेड फोटो, वेरिफिकेशन के प्रोसेस को आसान बनाने में मदद करती है। अगर आपने लंबे समय से अपना प्रोफाइल चेक नहीं किया है, तो इसके लिए कुछ स्टेप्स को बस फॉलो करके अपडेट कर सकते हैं।

EPFO के Unified Member Portal पर लॉगिन करके प्रोफाइल फोटो बदली जा सकती है। सबसे पहले अपने UAN, पासवर्ड और कैप्चा की मदद से लॉगिन करें। इसके बाद प्रोफाइल या संबंधित सेक्शन में जाकर फोटो अपडेट का ऑप्शन चुनें। अपनी हाल की पासपोर्ट साइज फोटो अपलोड करें और जानकारी सेव कर दें। फोटो अपडेट होने के बाद एक बार प्रोफाइल में जाकर यह जरूर देख लें कि नई फोटो सही तरीके से दिखाई दे रही है।

जब कोई सदस्य e-Nomination करता है या ऑनलाइन क्लेम जमा करता है, तब सही और नई फोटो, वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को आसान बनाती है। अगर किसी ने अभी तक e-Nomination नहीं किया है, तो इसे जल्द पूरा करना चाहिए। इससे भविष्य में PF जमा राशि, पेंशन और कर्मचारी बीमा जैसी सर्विसेस का फायदा नामित व्यक्ति तक आसानी से पहुंच सकता है। वहीं, नॉमिनेशन नहीं होने पर परिवार को क्लेम के समय अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने पड़ सकते हैं और प्रोसेस में देरी भी हो सकती है। अकाउंट में आधार, पैन, बैंक अकाउंट, मोबाइल नंबर और ईमेल जैसी जानकारी भी सही और अपडेट होनी चाहिए। इससे फंड ट्रांसफर, निकासी, पेंशन और अन्य ऑनलाइन सर्विसेस में देरी की संभावना कम रहती है।

न्यूज विंडो

पूर्णिमा पखवाड़े में विद्यार्थियों ने बताया गुरु का महत्व

औबेदुल्लागंज। गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के चतुर्थ दिवस शासकीय सांदीपनि विद्यालय, औबेदुल्लागंज में विद्यालय स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रतियोगिता का विषय मेरे जीवन में गुरु रखा गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए गुरु के महत्व, गुरु-शिष्य परंपरा, संस्कार, अनुशासन एवं जीवन में शिक्षा की भूमिका पर अपने मौलिक विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य चंद्रावती अतुलकर ने की। मुख्य अतिथि शिप्रा केशरवानी एवं विजेंद्र यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा, संस्कार और व्यक्तित्व का निर्माण भी करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों के प्रति सम्मान, अनुशासन और समर्पण की भावना बनाए रखने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में रुचि यादव ने प्रथम, आयुषी राजपूत ने द्वितीय तथा माही श्रीवास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्राओं को अतिथियों एवं प्राचार्य द्वारा बधाई देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। आयोजन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी और संस्कारवर्धक साबित हुआ।

चिरमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस को दुर्ग तक बढ़ाने की मांग तेज

मनेंद्रगढ़। चिरमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस के विस्तार की मांग एक बार फिर जोर पकड़ रही है। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक के महामंत्री सैमसन दास ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि चिरमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस का विस्तार दुर्ग तक किया जाए, ताकि एमसीबी (मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) जिले के लोगों को रायपुर सहित अन्य प्रमुख शहरों तक सीधी रेल सुविधा मिल सके। सैमसन दास ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्रवासी इस मांग को उठा रहे हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ट्रेन के दुर्ग तक विस्तारित होने से यात्रियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी तथा शिक्षा, रोजगार, व्यापार और चिकित्सा के लिए यात्रा करने वाले लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने रेलवे मंत्रालय और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से जनहित को ध्यान में रखते हुए इस मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि एमसीबी क्षेत्र के विकास और बेहतर रेल संपर्क के लिए चिरमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस का दुर्ग तक विस्तार अत्यंत आवश्यक है।

पहले ही प्रयास में NEET फतह, सक्षम राजपूत ने बढ़ाया गंजबासौदा का मान

गंजबासौदा। राजेंद्र नगर, जेल रोड निवासी सक्षम राजपूत ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में प्रथम प्रयास में सफलता प्राप्त कर शहर का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे नगर में हर्ष का माहौल है। सक्षम राजपूत पिता प्रीतम सिंह राजपूत के सुपुत्र हैं। उनके ताऊ जगन्नाथ सिंह राजपूत, बड़े भाई रणजीत सिंह राजपूत एवं जतिन राजपूत सहित पूरे परिवार ने उनकी इस सफलता पर खुशी जताई है। सक्षम की सफलता के पीछे उनके ताऊ जगन्नाथ सिंह राजपूत का वर्षों पुराना सपना भी जुड़ा रहा। मेडिकल क्षेत्र से जुड़े जगन्नाथ सिंह राजपूत की इच्छा थी कि उनके परिवार से कोई बेटा डॉक्टर बने। सक्षम ने अपने कठिन परिश्रम, लगन और आत्मविश्वास के बल पर प्रथम प्रयास में ही नीट जैसी प्रतिष्ठित एवं चुनौतीपूर्ण परीक्षा उत्तीर्ण कर ताऊ के इस सपने को साकार कर दिया। इस उपलब्धि पर परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों का घर पर बधाई देने का सिलसिला लगातार जारी है। नगरवासियों ने सक्षम की सफलता को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि छोटे शहरों के विद्यार्थी भी मेहनत और समर्पण के दम पर बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। सभी नगरवासियों ने सक्षम राजपूत एवं उनके परिवार को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल चिकित्सकीय जीवन की कामना की।

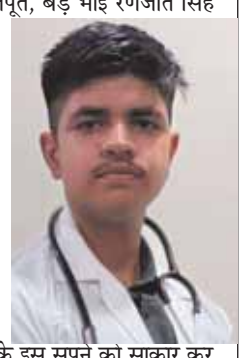

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन अनियमितताओं की जांच की मांग

गंजबासौदा। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विकास शर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय एवं कन्या मंडी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से जुड़े मामलों में कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि केंद्रीय विद्यालय के एक शिक्षक द्वारा छात्राओं के प्रति कथित रूप से अभद्र टिप्पणी की गई है। मामले में संबंधित शिक्षक को तत्काल बर्खास्त कर उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। इसके साथ ही कन्या मंडी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कथित वित्तीय अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग भी की गई। ज्ञापन में नगर में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों के कारण उपभोक्ताओं को अधिक बिजली बिल मिलने की शिकायत उठाते हुए स्मार्ट मीटर व्यवस्था समाप्त करने की मांग की गई। साथ ही नगर में बढ़ते अपराध, अवैध शराब बिक्री, नशे के कारोबार और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग भी की गई। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं की गई तो गंजबासौदा के कांग्रेसजन जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस अवसर पर पूर्व जनपद अध्यक्ष प्रहलाद सिंह रघुवंशी, राजकुमार सेन, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नितिन दुबे, सुनील पिंगले, बहादुर सिंह दांगी, जगदीश सुहाने, प्रशांत नायक, आकाश शर्मा, पार्थ रघुवंशी, अमित दुबे पट्टू, आनंद दुबे, अमित पंथी, ओम रघुवंशी, मंजू कुशवाह, पवन अहिरवार सहित आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीहोर जिले के भैरुंदा के गोपालपुर थाना क्षेत्र का मामला, परिजनों ने किया विरोध-प्रदर्शन

कथित प्रेमी के साथ फरार हुई पत्नी, नौ साल का प्रेम विवाह टूटा; पति ने दे दी जान

सीहोर। दोपहर मेट्रो

जिले के भैरुंदा के गोपालपुर थाना क्षेत्र में पत्नी के कथित तौर पर प्रेमी के साथ चले जाने से मानसिक रूप से आहत एक युवक ने आत्मघाती कदम उठा लिया। मृतक की पहचान मनीष के रूप में हुई है। मौत से पहले उसने मोबाइल पर एक भावुक वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें पारिवारिक विवाद और कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए। हालांकि, वीडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों के अनुसार मनीष का नौ साल पहले प्रेम विवाह हुआ था। दंपती के दो छोटे बच्चे हैं। मनीष निजी वाहन चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था और काम के सिलसिले में अक्सर कई दिनों तक घर से बाहर रहता था। इसी दौरान उसकी पत्नी का परिचय उस मकान मालिक से हुआ, जिसके यहां परिवार किराए से रहता था। परिजनों का आरोप है कि बाद में दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और महिला कथित तौर पर घर छोड़कर चली गई। परिजनों का कहना है कि पत्नी की शिकायत थी कि मनीष उसे पर्याप्त समय नहीं दे पाता था। इसके बाद उसने अपनी गाड़ी बेच दी और कर्ज लेकर गांव में डेयरी का काम शुरू किया, ताकि परिवार के साथ अधिक समय बिता सके। इसके बावजूद पारिवारिक विवाद खत्म नहीं हुआ और पत्नी वापस नहीं लौटी।

कथित प्रेमी पर कई गंभीर आरोप लगाए

आत्मघाती कदम उठाने से पहले रिकॉर्ड किए गए वीडियो में मनीष ने अपनी पत्नी और उसके कथित प्रेमी पर कई गंभीर आरोप लगाए। उसने दावा किया कि उसे धमकियां दी गईं और उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। वीडियो में उसने अपने दोनों मासूम बच्चों का जिक्र करते हुए भावुक अपील भी की। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वीडियो में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और अभी उनकी पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की

मृतक के परिजनों का आरोप है कि मनीष ने पहले भी गोपालपुर थाने में शिकायत की थी, लेकिन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। युवक की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने गोपालपुर थाने के सामने शव रखकर करीब दो घंटे तक प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना मिलने पर एसडीओपी रोशन कुमार जैन और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। एसडीओपी रोशन कुमार जैन ने बताया कि महिला की गुमशुदगी का मामला पहले से दर्ज है और उसकी जांच जारी है। मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मनीष अपने पीछे सात वर्ष की बेटी और पांच वर्ष के बेटे को छोड़ गया है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस वीडियो, शिकायतों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

मकान कब्जे के विवाद में 70 वर्षीय महिला की हत्या, 12 घंटे में बेटा-मां और दो बहनें गिरफ्तार

रतलाम। दोपहर मेट्रो

जिले के बड़ावदा थाना क्षेत्र के ग्राम लसुड़िया जंगली में पुराने मकान पर कब्जे के विवाद को लेकर चार लोगों ने 70 वर्षीय महिला के साथ मारपीट कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर वारदात के 12 घंटे के भीतर आरोपी युवक, उसकी मां और दो बहनों को गिरफ्तार कर लिया। चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार मृतका कमलाबाई पति नंदूलाल निवासी ग्राम लसुड़िया जंगली का एक पुराना खंडहरनुमा मकान है। आरोपी भागवंता बाई पति शंकरलाल और उसके परिजन इस मकान पर कब्जा करना चाहते थे। आरोपियों का दावा था कि उन्होंने यह मकान कमलाबाई के पति से वर्षों पहले खरीदा था, जबकि कमलाबाई का कहना था कि उनके पति ने मकान नहीं बेचा था। आरोपियों के पास मकान खरीदने संबंधी कोई दस्तावेज या रजिस्ट्री भी नहीं थी। मकान पर कब्जे को लेकर दोनों पक्षों के बीच 17 जुलाई 2026 को विवाद हो गया। विवाद के दौरान आरोपी भागवंता बाई, उसका पुत्र 26 वर्षीय अजय, छोटी पुत्री 19 वर्षीय साईता और बड़ी पुत्री 22 वर्षीय मंजू पति गोपाल परमार निवासी ग्राम खोखरा हाल मुकाम लसुड़िया जंगली ने कमलाबाई और उनकी नातिन रवीन व काजल के साथ लात-घूंसों और थप्पड़ों से मारपीट की। मारपीट के दौरान कमलाबाई गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश होकर जमीन पर गिर गईं। परिजन उन्हें उपचार के लिए जावरा के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और आरोपियों के खिलाफ हत्या, मारपीट और अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। एसपी अमित कुमार के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (रतलाम ग्रामीण) विवेक कुमार लाला और जावरा प्रभारी एसडीओपी युवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई।

टीकमगढ़ में चोरों का खौफ: एक रात ही चार घरों के टूटे ताले

जेवर और नकदी चुरा ले गए चोर, पड़ताल जारी

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

टीकमगढ़ में लगातार बढ़ती चोरी और आपराधिक घटनाएं पुलिस के लिए चुनौती बनती जा रही हैं। ताजा मामला बमोरी कला गांव का है, जहां बीती रात चोरों ने एक साथ चार घरों को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घरों के ताले तोड़कर लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण और बड़ी मात्रा में नकदी लेकर फरार हो गए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार चोरों ने बमोरी कला गांव निवासी गणपत कुशवाहा, बिंदी अहिरवार, संतोष अहिरवार और रईस पठान के घरों में चोरी की। एक ही रात में चार घरों में चोरी की घटना सामने आने के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सुबह जब परिवारों को घरों के ताले टूटे मिले और सामान बिखरा हुआ दिखाई दिया तो उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

जानकारी के अनुसार, चारों घरों से करीब 30 लाख रुपए से अधिक कीमत के सोने-चांदी के आभूषण और लगभग 10 लाख रुपए की नकदी चोरी होने की बात सामने आई है। हालांकि चोरी की वास्तविक रकम और सामान का आकलन पुलिस जांच तथा परिवारों द्वारा दी गई। जानकारी के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। घटना के बाद ग्रामीणों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी दिखाई दे रही है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन चोरों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। एक ही रात में चार घरों को निशाना बनाए जाने से पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। बमोरी कला पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही चोरी की इस वारदात का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

कर्मचारियों को कथित सुविधा शुल्क देकर छूट मिलने के आरोप

उमरिया। दोपहर मेट्रो

उमरिया नगर परिषद में कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। कुछ कर्मचारियों को कथित रूप से मॉनिटरिंग अधिकारी द्वारा पैसों के बदले विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं। आरोप है कि यदि कोई कर्मचारी समय पर कार्यालय नहीं आना चाहता या नियमित रूप से कार्य नहीं करना चाहता, तो उसके लिए अलग-अलग राशि तय है। यहां तक कि केवल उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यालय से चले जाने की भी कथित व्यवस्था होने की बात कही जा रही है। इसका सीधा असर नगर परिषद की कार्यप्रणाली और आम जनता को मिलने वाली सेवाओं पर पड़ सकता है। नियमित निगरानी और अनुशासन के अभाव में क्षेत्र के विकास कार्य भी प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

वर्षों से जमे राजस्व निरीक्षक की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल, किसानों ने खोला मोर्चा

गोहरगंज। दोपहर मेट्रो

गोहरगंज तहसील में पदस्थ एक राजस्व निरीक्षक की कार्यप्रणाली को लेकर किसानों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के बैनर तले किसानों ने मोर्चा खोलते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं कि संबंधित राजस्व निरीक्षक नियमों को ताक पर रखकर वर्षों से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं, जिससे किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

महासंघ का आरोप है कि सरकारी नियमों के अनुसार, कोई भी राजस्व अधिकारी तीन वर्ष से अधिक एक ही स्थान पर पदस्थ नहीं रह सकता। इसके बावजूद, राजस्व निरीक्षक रहमान खान लंबे समय से गोहरगंज में ही जमे हुए हैं। किसानों का तर्क है कि एक ही स्थान पर इतने वर्षों तक बने रहने के कारण उनकी कार्यप्रणाली में मनमानी और भ्रष्टाचार की संभावना बनी हुई है।शिकायत पत्र में किसानों ने आरोप लगाया है कि उक्त राजस्व निरीक्षक द्वारा किए गए भूमि सीमांकन में कई गंभीर त्रुटियां पाई गई हैं। इन गलत सीमांकनों के कारण किसानों के बीच आपस में विवाद बढ़ रहे हैं और शांति व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यही नहीं, फील्ड बुक और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों में भी भारी खामियां बरती जा रही हैं, जिसकी वजह से किसान दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के जिला अध्यक्ष सुरजीत सिंह नागर के नेतृत्व में किसानों ने अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उक्त राजस्व निरीक्षक का अन्यत्र स्थानांतरण नहीं किया गया, तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल, इस मामले के सामने आने के बाद तहसील कार्यालय में हड़कंप की स्थिति है और अब सबकी निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

विश्वकर्मा समाज के पूर्व अध्यक्ष रामसिंह विश्वकर्मा का आकस्मिक निधन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ समाजसेवी, पंचायत सचिव एवं विश्वकर्मा समाज के पूर्व अध्यक्ष राम सिंह विश्वकर्मा के आकस्मिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। उनके निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति हुई है। राम सिंह विश्वकर्मा अपने मिलनसार, सरल एवं सेवाभावी व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। वह समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों के लिए समर्पित थे। समाज के साथ-साथ अन्य वर्गों में भी उनकी विशेष पहचान और सम्मान था। उनके निधन का समाचार मिलते ही समाजजन, शुभचिंतक एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मेट्रो एंकर समर्थन मूल्य पर की गई खरीदी में लापरवाही आई सामने, अब जारी किए थोकबंद नोटिस

39 खरीदी केंद्रों से गायब हो गया 1839 क्विंटल गेहूं समितियों व ट्रांसपोर्टरों से होगी 40 लाख की वसूली

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले के 39 सरकारी गेहूं खरीदी केंद्रों से कुल 1839 क्विंटल गेहूं गायब हो गया है। यह गेहूं सोसायटियों में तथा गेहूं परिवहन के दौरान कम हुआ है। जिसमें समिति में 1515.20 क्विंटल तथा परिवहन के दौरान 321.3 क्विंटल की कमी सामने आई है। इस गंभीर मामले में संबंधित समिति प्रभारियों तथा गेहूं का परिवहन करने वाले ट्रांसपोर्टरों से 40 लाख रुपए की वसूली की तैयारी की जा रही है। यह लापरवाही समर्थन मूल्य पर की गई गेहूं खरीदी प्रक्रिया के दौरान सामने आई है। नागरिक आपूर्ति निगम ने इन सभी 39 प्रभारियों तथा गेहूं का परिवहन करने वाले ट्रांसपोर्टरों को इस संबंध में नोटिस जारी किए गए हैं, जिसमें उनसे गायब गेहूं की राशि वसूली की जाएगी। यह घटना सरकारी खरीद में अनियमितताओं और जवाबदेही की कमी को उजागर करती है। इस वर्ष खरीदी केंद्रों पर पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा गेहूं की खरीदी की गई है इस वर्ष पूरे जिले में 13 लाख 25 हजार 173 क्विंटल 72 किलो की खरीदी की गई है।

गेहूं गायब होने पर कई तरह के तर्क

वसूली की कार्रवाई के बीच बड़ी मात्रा में अनाज गायब होने के पीछे कई समिति प्रबंधक अजीबों-गरीब तर्क दे रहे हैं। किसी का तर्क है कि, केंद्रों पर खुले में रखा अनाज सूख गया है, इसलिए यह शॉर्टेज आई है। वहीं कुछ समिति प्रबंधक अनाज को मवेशियों के खाने के भी बहाने लगा रहे हैं। जबकि कुछ केंद्र प्रभारी इसके लिए परिवहनकर्ता ठेकेदार को जिम्मेदार ठहरा रहे है। नागरिक आपूर्ति निगम के नोटिस के बाद विभाग को भी यह जानकारी भेज दी है। नोटिस के बाद समितियां व ट्रांसपोर्टर गेंहू की राशि जमा करेंगे या फिर समितियों के जो भी बिल प्रस्तुत किए जाएंगे उसमें से यह राशि काट ली जाएगी।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम SUHANI SHEIKH था। जो मेरे पासपोर्ट पर अंकित है। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित SUHANI SHAIKH हो गया है। अतः अब मुझे मेरे इसी नए नाम SUHANI SHAIKH के नाम से जाना व पहचाना जाए। ADDRESS : 2/2 Ward No 35 Bhawani Sagar A,B Road VTC Dewas P O Dewas District Dewas MADHYA PRADESH PIN-45001

न्यूज विंडो

हर्रई ग्राम के पास अनियंत्रित होकर गिरे बाइक सवार, दो घायल

तेंदूखेड़ा। तेजगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेन्दूखेड़ा मार्ग पर स्थित हर्रई ग्राम के पास बाइक सवार दो लोग अनियंत्रित होकर गिर गए और घायल हो गए, जिन्हें 108 की मदद से स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। घायलों का उपचार जारी है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार टेकसीग पिता गुलाब सिंह लोधी उम्र 27 वर्ष निवासी धनगौर चित्तर पिता धीरज सींग लोधी उम्र 29 वर्ष निवासी धनगौर थाना तेंदूखेड़ा है, जो किसी कार्य को लेकर तेजगढ़ पतलोनी गए थे। वापस आते समय हर्रई और तेजगढ़ रेस्ट हाउस के बीच अचानक सामने ट्रक आ गया जिसे बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गए और घायल हो गए। स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को छुट्टी दे दी गई, पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

भैंस से टकराए बाइक सवार तीन युवक घायल, एक जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। दमोह मार्ग पर स्थित ठाकुर ढाबा के पास बाइक सवार तीन युवक सड़क हादसे के शिकार हो गए रिमझिम बारिश के बीच सड़क पर खड़ी भैंस से टकराने से घायल हो गए। घायलों को डायल 112 की मदद से स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से एक युवक को गंभीर हालत में जबलपुर रेफर किया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार डायल 112 को नाइट पेट्रोलिंग के समय सूचना प्राप्त हुई थी की ठाकुर ढाबा के पास बाइक सवार तीन लोग घायल अवस्था में पड़े हुए हैं, जहां सूचना मिलते ही डायल 112 से आरक्षक 596 कुंवर सिंह पायलट पंकज नामदेव मौके पर पहुंचे और घायलों को स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों द्वारा हादसे में घायल व्यक्ति को जबलपुर रेफर किया गया है। हादसे में राकेश आठाया उम्र 40 वर्ष निवासी विनती हटा अरविंद लोधी उम्र 34 वर्ष बड़ा सागर बलराम 38 वर्ष निवासी छतरपुर का है। तीन युवक मजदूर हैं जो बम्हौरी में सांदीपनि स्कूल की बिल्डिंग निर्माण कार्य में मजदूरी करते हैं जो कुछ काम को लेकर तेन्दूखेड़ा आए थे जहां से वापस जाते समय ठाकुर ढाबा के पास सड़क पर खड़ी भैंस से टकरा गए और घायल हो गए। इस हादसे में तीन लोग घायल हुए थे जिनमें से एक व्यक्ति को जबलपुर रेफर किया गया है। दो लोगों का इलाज स्वास्थ्य केंद्र तेन्दूखेड़ा में चल रहा है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही।

श्री नर्मदा उद्गम ट्रस्ट के सोने-चांदी आभूषणों का भौतिक सत्यापन संपन्न

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में श्री नर्मदा उद्गम ट्रस्ट, अमरकंटक के सोने-चांदी आभूषणों (गहने-जेवर) के भौतिक सत्यापन की कार्रवाई पारदर्शिता एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप संपन्न कराई गई। भौतिक सत्यापन के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट की अध्यक्षता में जांच दल का गठन किया गया। गठित दल द्वारा अमरकंटक थाना परिसर में सुरक्षित रखे गए ट्रस्ट के सोने-चांदी आभूषणों का सूचीवार मिलान करते हुए विस्तृत भौतिक सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान जांच दल ने उपलब्ध सूची के अनुसार प्रत्येक सोने-चांदी आभूषण का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया। निरीक्षण उपरांत दल ने प्रतिवेदित किया कि उपलब्ध कराई गई सूची के अनुरूप सभी सोने-चांदी आभूषण सुरक्षित, पूर्ण एवं यथावत पाए गए। सत्यापन प्रक्रिया निर्धारित शासकीय मानकों का पालन करते हुए सफलतापूर्वक संपन्न की गई। भौतिक सत्यापन की संपूर्ण कार्यवाही मुख्य नगर परिषद अधिकारी, नगर परिषद अमरकंटक, थाना प्रभारी अमरकंटक तथा श्री नर्मदा मंदिर ट्रस्ट, अमरकंटक के अधिकृत पुजारी राजेश द्विवेदी की उपस्थिति में संपन्न हुई।

अमरकंटक में मां नर्मदा के रामघाट पर गंदे पानी के मिलने का आरोप

अनूपपुर। जिले के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल अमरकंटक में मां नर्मदा के रामघाट पर सिविल लाइन क्षेत्र का गंदा पानी सीधे नर्मदा नदी में मिलने का मामला सामने आया है। ड्रेनेज व्यवस्था की खामियों और लापरवाही के कारण नालियों का पानी सीधे मां नर्मदा में पहुंच रहा है। रामघाट वही स्थान है जहां समय-समय पर धार्मिक अनुष्ठान, श्रद्धालुओं का स्नान तथा कई महत्वपूर्ण शासकीय कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसके बावजूद गंदे पानी का नदी में मिलना धार्मिक आस्था और पर्यावरण दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। ठेका कंपनी और नगर पालिका अमरकंटक दोनों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। सीवर और नालियों की उचित व्यवस्था की गई होती तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

शिवपुरी का मामला: हत्या या आत्महत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

अचानक रात 1 बजे के बाद घर से गायब हुईं बहनें, दो दिन बाद कुएं में मिले शव

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले के तेंदुआ थाना अंतर्गत डेहरवारा गांव में बीते दिन एक कुएं में दो चचेरी बहनों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। दोनों बहनें दो दिन पहले अपने घर से रात 1 बजे के बाद अचानक से गायब हो गई थीं। जिनकी गुमशुदगी भी परिजनों ने पुलिस में दर्ज कराई थी। दोनों बहनों के शव कुएं में मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की।

डेहरवारा गांव में रहने वाले राजेंद्र धाकड़ की बेटी कीर्ति धाकड़ (16) व उनके भाई सुघर सिंह धाकड़ की बेटी पूनम धाकड़ (17) गत 16 जुलाई की रात परिवार के साथ भोजन करने के बाद सो गई थीं। परिजनों की मानें तो रात 1 बजे जब परिवार के सदस्य जागे तो दोनों बेटियां सो रही थीं। इसके बाद अचानक से दोनों बेटियां गायब हो गईं। परिजनों ने रात से लेकर दोपहर तक काफी तलाशा, लेकिन जब दोनों का कोई पता नहीं चला, तो तेंदुआ थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई।

दो दिन बाद कुएं के पास मिलीं चप्पलें

पुलिस ने अज्ञात पर अपहरण का केस दर्ज कर मामले की पड़ताल की तो मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर एक युवक के बारे में जानकारी लगी। पुलिस ने उस युवक को पकड़कर पूछताछ की तो उसने बताया कि दोनों लड़कियों को किसी बात पर परिजनों ने डांटा था। इसके बाद क्या हुआ उसे कुछ नहीं पता? शनिवार को सुबह ग्रामीणों ने खोजबीन की तो घर से करीब 300 मीटर दूर एक कुएं के पास लड़कियों की चप्पलें मिलीं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

कुएं का 40 फीट पानी निकालने के बाद मिले शव

पुलिस मौके पर पहुंची और करीब 70 फीट गहरे कुएं का लगभग 40 फीट पानी मोटर की मदद से निकलवाया। पानी कम होने के बाद ग्रामीणों की सहायता से कुएं में तलाश की गई, इस दौरान दोनों नाबालिगों के शव बरामद हुए। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले भी ग्रामीण इसी कुएं से पानी भरकर ले गए थे, लेकिन उस समय किसी को कुएं में शव होने की भनक तक नहीं लगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि दोनों नाबालिग रात में किन परिस्थितियों में घर से बाहर निकलीं और उनकी मौत कैसे हुई। गांव में हत्या और आत्महत्या दोनों तरह की चर्चाएं चल रही हैं, लेकिन पुलिस ने अभी किसी भी संभावना की पुष्टि नहीं की है।

दिनदहाड़े युवक के अपहरण का आरोप, पत्नी ने लगाई पति की सकुशल बरामदगी की गुहार; दो टीमें तलाश में जुटी

झाबुआ। दोपहर मेट्रो

जिले के खयड़ूछोटी गांव निवासी एक व्यक्ति के दिनदहाड़े अपहरण का मामला सामने आया है। पीड़ित की पत्नी ने एडिशनल एसपी प्रतिपाल सिंह महोबिया को आवेदन सौंपकर अपने पति की सकुशल बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, खयड़ूछोटी निवासी भल्लू (पति भूरीबाई) 17 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे ग्राम पारा दवाई लेने गए थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने कथित रूप से उनका जबरन अपहरण कर लिया। पीड़िता भूरीबाई का आरोप है कि दितीया पिता रालू सिंगाड़, कमलेश, कैलाश, भमरू और ठाकुर (सभी निवासी खयड़ूछोटी) ने इस वारदात को अंजाम दिया। आरोप है कि अपहरण के लिए वाहन का उपयोग किया गया। भूरीबाई का कहना है कि अपहरण की पूरी घटना ग्राम पारा में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। उनका आरोप है कि साक्ष्य उपलब्ध होने के बावजूद पुलिस अब तक आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी है। पीड़िता ने बताया कि घटना की सूचना तत्काल झाबुआ थाना पुलिस को दी गई थी, लेकिन अब तक न तो कोई ठोस कार्रवाई हुई है और न ही आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकी है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच कर आरोपियों को गिरफ्तार करने तथा उनके पति भल्लू को सकुशल बरामद करने की मांग की है।

जमीन विवाद से जोड़ रहे ग्रामीण

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष कमलेश सिंगाड़ ने ग्रामीणों के साथ बताया कि गांव में आरोपियों और ग्रामीणों के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। उनका कहना है कि 14 जुलाई को भी पुलिस को शिकायत दी गई थी। यदि उस समय प्रभावी कार्रवाई की जाती तो आरोपियों के हौसले इतने बुलंद नहीं होते। ग्रामीणों का कहना है कि पीड़ित का आरोपियों से कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं था। वह केवल गांव के अन्य लोगों के साथ जुड़े होने के कारण इस घटना का शिकार हुआ है। इस मामले में एडिशनल एसपी प्रतिपाल सिंह महोबिया ने बताया कि प्रकरण की जांच के लिए एसडीओपी को निर्देश दिए गए हैं। पुलिस की दो टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं। कॉल डिटेल्स और अन्य तकनीकी व स्थानीय सूत्रों के आधार पर जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

5 पेटी अवैध शराब पुलिस ने की जब्त

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

भगवती मानव कल्याण संगठन द्वारा संचालित नशा विरोधी जन आंदोलन के अंतर्गत संगठन के कार्यकर्ताओं की सतर्कता एवं सक्रिय सहयोग से अवैध शराब के परिवहन का एक मामला उजागर हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुलाम पिता सीताराम चढ़ार (उम्र 32 वर्ष), निवासी सोमखेड़ा द्वारा ब्लैक कलर की बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी11सीसी 9147 में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा था। वाहन में 4 पेटी लाल मसाला एवं 1 पेटी प्लेन, कुल 5 पेटी 250 पाव अवैध शराब लोड थी। संगठन के कार्यकर्ताओं ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना के आधार पर दमोह रोड स्थित बम्हौरी वन डिपो के पास, थाना तेंदूखेड़ा क्षेत्र में पुलिस ने वाहन को रोककर जांच की। मौके पर पहुंचे प्रधान आरक्षक ब्रजेश तिवारी ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए अवैध शराब एवं वाहन को अपने कब्जे में लिया तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई प्रारंभ की। भगवती मानव कल्याण संगठन ने क्षेत्रवासियों से नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु अवैध शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों के संबंध में सूचना प्रशासन को उपलब्ध कराने की अपील की है तथा इस कार्रवाई के लिए पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

पुलिस की तत्परता से मां को मिली बच्ची

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना तेंदूखेड़ा पुलिस ने थाना अंतर्गत एक महिला की शिकायत पर संवेदनशीलता एवं तत्परता का परिचय देते हुए त्वरित कार्रवाई कर बच्चे को सकुशल उसकी मां से मिलाया। पुलिस की समय पर की गई कार्रवाई से एक पारिवारिक विवाद का शांतिपूर्ण समाधान संभव हो सका। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक महिला ने थाना तेंदूखेड़ा पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग बच्ची उसके पास नहीं है। महिला ने आशंका व्यक्त की कि उसका पति बिना सूचना दिए बच्ची को अपने साथ ले गया है तथा उसे वापस नहीं कर रहा है। शिकायत मिलते ही थाना प्रभारी सरोज ठाकुर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस टीम को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि महिला का पति अपने बच्चों के साथ ग्राम नरगुंवा में अपने फूफा के घर पर रुका हुआ है। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और संबंधित पक्षों से पूछताछ की। समझाइश एवं आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया के बाद बच्ची को सुरक्षित पुलिस अभिरक्षा में लेकर उसकी मां के

सुपुर्द किया गया। अपनी बच्ची को सकुशल पाकर महिला ने राहत व्यक्त करते हुए थाना प्रभारी सरोज ठाकुर एवं तेंदूखेड़ा पुलिस का आभार जताया। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की त्वरित एवं संवेदनशील कार्यशैली की सराहना की। इनका कहना- इस संबंध में नगर निरीक्षक सरोज ठाकुर ने बताया कि बच्चे की मां थाने आई थी जिसने बताया कि उसका पति बच्चे को ले गया है और दे नहीं रहा है इसके बाद जानकारी प्राप्त करने पर पता लगा कि बच्चा उसकी फूफा के यहाँ नरगुँवा में है इसके बाद जानकारी प्राप्त कर बच्चों को वहां से लाकर मां के सुपुर्द किया गया बच्चों से जुड़े मामलों में उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है।

शराब के नशे में भाई ने छोटे भाई पर कुल्हाड़ी से हमला कर किया गंभीर घायल, केस दर्ज

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शराब पीने से मना करने पर एक युवक ने अपने छोटे भाई पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मामला थाना तेंदूखेड़ा अंतर्गत ग्राम बंधना सेलवाडा का है। यहां रहने वाले प्रमोद पिता नरबद गौड़ उम्र 24 वर्ष ने शनिवार शाम 18 जुलाई 2026 को करीब 5 बजे अपने पिता नरबद गौड़ और बहिन सुशीला गौड़ के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रार्थी प्रमोद ने बताया कि वह खेती-किसानी करता है। उसका बड़ा भाई सुरेन्द्र गौड़ शराब का आदी है और आए दिन नशे में घर आकर परिवार के साथ मारपीट और गाली-गलौज करता है। घटना वाले दिन प्रमोद घर के बाहर

आंगन में खड़ा था। तभी आरोपी सुरेन्द्र शराब के नशे में वहां पहुंचा। जब प्रमोद ने उसे शराब पीने से मना किया तो वह भड़क गया। पहले उसने गंदी-गंदी गालियां दीं और फिर पास में रखी कुल्हाड़ी उठाकर प्रमोद के सिर पर वार कर दिया। हमले से प्रमोद के सिर की चमड़ी कट गई और खून बहने लगा। शोर सुनकर प्रमोद के बहनोई जागेश्वर गौड़ और बहिन सुशीला गौड़ मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। आरोपी जाते-जाते प्रमोद को जान से मारने की धमकी भी देकर गया। पुलिस ने ने बताया कि पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपी सुरेन्द्र गौड़ के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घायल प्रमोद का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में कराया गया है।

मेट्रो एंकर

नशे से दूरी है जरूरी-2.0 अभियान बना जनआंदोलन

नागरिकों को नशे से बचाव के तरीके बताए, नशामुक्ति की शपथ दिलाई

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

प्रदेशव्यापी नशे से दूरी है जरूरी-2.0 अभियान के अंतर्गत जिले में आयोजित जनजागरूकता कार्यक्रम ने जनआंदोलन का रूप ले लिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों एवं आमजन की सक्रिय सहभागिता से नशामुक्त समाज निर्माण का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अति. पुलिस महानिदेशक जबलपुर जोन प्रमोद वर्मा एवं पुलिस उप महानिरीक्षक छिंदवाड़ा रेंज राकेश कुमार सिंह, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना ने उपस्थित नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और समाज को भी इससे मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

बैज लगाकर जोड़ा जन-जन को अभियान से अधिकारियों द्वारा नागरिकों को नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का बैज लगाकर इस मुहिम से जोड़ा गया। इस दौरान यह संदेश दिया गया कि नशे के

खिलाफ लड़ाई केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने नशा नहीं करेंगे, न किसी को करने देंगे का दृढ़ संकल्प लिया। अधिकारियों ने कहा कि नशा व्यक्ति ही नहीं, बल्कि परिवार और समाज के भविष्य को भी प्रभावित करता है, इसलिए इसके विरुद्ध जागरूकता और सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। अधिकारियों ने कहा कि युवा नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवन अपनाएं और समाज में प्रेरणा का स्रोत बनें। कार्यक्रम में मौजूद सभी नागरिकों ने अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया और नशामुक्त, सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का विश्वास दिलाया। कार्यक्रम के दौरान अति. पुलिस महानिदेशक जबलपुर जोन प्रमोद वर्मा एवं पुलिस उप महानिरीक्षक छिंदवाड़ा रेंज राकेश कुमार सिंह, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर इंडियन कॉफी हाउस का विधिवत शुभारंभ किया गया।

लॉर्ड्स का मैच एक... सवाल अनेक

जरूरत ऐसे गेंदबाज की जो मौके पर विकेट निकाल सके

टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज 1–1 की बराबरी पर है ।अब दोनों टीमों के बीच तीसरा और सीरीज का निर्णायक मुकाबला आज लॉर्ड्स ऐतिहासिक के मैदान पर खेला जाएगा ।भले ही इस मुकाबले में क्रिकेट जगत की नजरें रोहित शर्मा पर होंगी,लेकिन मेरी निगाहें टीम मैनेजमेंट के एकादश संयोजन पर ही टिकी हुई है ।लॉर्ड्स में एकादश चयन से पहले टीम इंडिया में चोटिल वाशिंगटन सुंदर की जगह अब हर्ष दुबे को शामिल कर लिया गया है ।वैसे तो खिलाड़ी की यह अदला बदली बतौर आलराउंडर की गयी है,लेकिन ऑफ ब्रेक फिरकी की जगह बांये हाथ के ऑर्थोडॉक्स गेंदबाज का विकल्प टीम को दिया जाना एक बार फिर चोंकाने वाला फैसला कहा जा सकता है ।वजह एकदम साफ है कि अक्षर पटेल टीम में पहले से मौजूद हैं ।हालांकि इस तरह वाले चयन के मायने क्या है यह तो अंतिम एकादश चयन के बाद ही समझ आयेगा ।कहीं ऐसा तो नहीं कि टीम मैनेजमेंट की ही आलराउंडर वाली मांग पर यह विकल्प दिया गया हो ।दरअसल टीम मैनेजमेंट का एकादश संयोजन में 3 आलराउंडर का फार्मूला पूरे दौरे में नाकाम होने के बाद भी जस का तस है ।इस तरह के टीम संयोजन से एक बात तो साफ हो गई है कि मैनेजमेंट को बल्लेबाजी की गहराई 8 नंबर तक चाहिए है ।मैनेजमेंट के इस तरह के नजरिये की वजह से ही टीम इंडिया मिडिल ओवर्स के गेम में लगातार मात खा रही है ।3 आलराउंडर का यह फार्मूला गेंदबाजी के लिए ही नहीं वरन बल्लेबाजी में भी टीम के लिए यह घातक साबित हो रहा है ।अगर हम मौजूदा पूरे दौरे की बात करें तो टी20 में युवा ब्रिगेड की शिकस्त और फिर कोहली,रोहित,बुमराह जैसे दिग्गजों की वापसी के बाद वनडे चैंपियन से इस फ़ॉर्मेट में इंग्लैंड का हिसाब चुकता करने की आस पहले वनडे के बाद बनी थी,लेकिन दूसरे वनडे में टीम इंडिया के मध्यक्रम ने सीरीज को 1–1 की बराबरी पर ला दिया ।दोनों ही मुकाबलों में मिडिल ओवर्स की नाकाम गेंदबाजी ने टीम इंडिया को बैकफुट पर धकेल दिया ।गौरतलब है कि पहले मैच में टॉप आर्डर के गेंदबाजों की दम पर 107 रनों पर इंग्लैंड के 6 विकेट निकाले थे,जबकि दूसरे मैच में भी इन्ही गेंदबाजों ने 125 रनों पर मेजबान टीम के आधे बल्लेबाज पवेलियन भेज दिये थे,लेकिन दोनों ही मैचों में उसके बाद ये आलराउंडर गेंदबाज सिर्फ रन रोकू गेंदबाजी कर सके ।मतलब साफ है कि उस वक्त अक्षर पटेल को दूसरे छोर से वह सहयोग नहीं मिला जिसकी जरूरत विकेट निकालने के लिए होती है ।ऐसे में इंग्लैंड की बल्लेबाजी को समेटने के लिए कुलदीप जैसे चौथे स्पेशलिस्ट गेंदबाज की कमी साफ तौर पर नजर आयी ।मैनेजमेंट की यह बात वाकई समझ से परे है कि जब इंग्लैंड की टीम अपनी ही जमीन पर आदिल रशीद जैसे रिस्ट स्पिनर को सभी फ़ॉर्मेट पर मैदान में उतार सकती है तो फिर उनसे कहीं अधिक विविधता वाले कुलदीप से इंडियन टीम मैनजेमेंट परहेज क्यों कर रहा हैं ।मजेदार बात यह भी है कि टीम इंडिया का बोलिंग कोच(साईराज बहुतुले) एक रिस्ट स्पिनर होने के बाद भी कुलदीप पर भरोसा नही जता पा रहे है ।खैर टीम मैनजेमेंट का कुलदीप को लेकर नजरिया क्या है यह तो वही समझ सकता हैं ।लेकिन यह बात वाकई समझ से परे है कि आखिरकार टीम मैनजेमेंट 4 गेंदबाज और 2 आलराउंडर के फार्मूले से लगातार क्यों परहेज करता है ।अगर हम मौजूदा दौरे पर एकादश के चयन और उसके मैदानी प्रयोग की बात करें तो फिर आलराउंडर का यह फार्मूला ज्यादातर मुकाबलों में न तो गेंदबाजी की ताकत बन सका व न ही इनके बल्ले ने कोई खास कमाल किया है ।अब तो ऐसा लगता है कि टीम इंडिया के एकादश संयोजन में 3 आलराउंडर का फार्मूला ही टीम की सबसे बड़ी कमजोरी बन कर उभर रहा है ।शायद इसी वजह से मिडल ओवर्स के खेल में दोनों ही मुकामों पर यह कॉम्बिनेशन फेल हो रहा है ।अगर इस कदर गहराई वाला टीम संयोजन पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सके तो फिर आलराउंडर वाले इस फॉर्मूले के फायदे क्या हैं ।असलियत यह है कि इन आलराउंडर का उपयोग न तो बतौर गेंदबाज हो रहा है और न ही ये बल्लेबाजी को ताकतवर साबित कर पा रहे हैं ।टीम इंडिया मौजूदा दौरे के आखिरी पड़ाव पर लॉर्ड्स में रविवार को उतरेगी ।सुर्खियों में भले ही हिटमैन का फॉर्म ओर उनके रिटायरमेंट के चर्चे रहें,लेकिन मेरी टकटकी टीम मैनजेमेंट के एकादश संयोजन पर ही रहेगी ।देखना यह है कि लॉर्ड्स के मैदान पर कुलदीप को मौका टीम मैनजेमेंट देता है या फिर अपने अड़ियल रवैये को यहां भी बरकरार रखता है ।यानी सवाल सबसे बड़ा यही है कि टीम मैनजेमेंट का आज लॉर्ड्स में भी 8 नंबर तक बल्लेबाजी विकल्प का ही फार्मूला कायम रहता है या फिर दांव कुलदीप पर लगाने की हिम्मत वह इस मैच में जुटा पाता है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

वनडे सीरीज: भारत-इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में आज होगी निर्णायक जंग

करो या मरो मैच में रोहित शर्मा की होगी अग्निपरीक्षा

लंदन , एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला आज ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। दोनों टीमों ने अब तक एक-एक मैच जीता है, ऐसे में यह मुकाबला तय करेगा कि सीरीज किसके नाम होगी।

इस मुकाबले से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चर्चा के केंद्र में हैं। दूसरे वनडे में उनकी धीमी पारी के बाद ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि लॉर्ड्स का मुकाबला भारत के लिए उनका आखिरी वनडे हो सकता है। हालांकि, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इन अफवाहों को पूरी तरह खारिज करते हुए साफ कहा कि लॉर्ड्स वनडे रोहित शर्मा का आखिरी मैच नहीं होगा। भारत की अगली वनडे सीरीज सितंबर के आखिर में खेली जानी है। ऐसे में रोहित के भविष्य को लेकर फैसला फिलहाल टल गया है, लेकिन लॉर्ड्स में उनकी बल्लेबाजी पर सभी की नजरें रहेंगी। कार्डिफ में दूसरा वनडे जीतकर इंग्लैंड ने सीरीज 1-1 से बराबर कर ली थी। उस मैच में जो रूट ने नाबाद 99 रन की शानदार पारी खेली और टीम को जीत दिलाई। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ अब तक 21 द्विपक्षीय वनडे सीरीज में केवल सात बार जीत हासिल की है। आखिरी बार उसने 2018 में भारत को वनडे सीरीज में हराया था। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का मानना है कि उनकी टीम को जितना आंका जा रहा है, उससे कहीं बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता रखती है। हालांकि, भारत की नजरें सीरीज जीतने पर होंगी और अपने रिकॉर्ड को बेहतर करने पर होंगी।

बटलर का भारत के खिलाफ रिकॉर्ड चिंता का विषय

इंग्लैंड के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का भारत के खिलाफ वनडे रिकॉर्ड उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। उन्होंने भारत के खिलाफ वनडे में लगभग 22 की औसत और 84 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इतना ही नहीं, पिछले तीन वर्षों से उनके बल्ले से वनडे शतक भी नहीं निकला है। ऐसे में निर्णायक मुकाबले में उन पर भी बड़ी जिम्मेदारी होगी।

भारत को करना होगा बदलाव

भारतीय टीम को तीसरे वनडे में कम से कम एक बदलाव करना पड़ेगा। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह हर्ष दुबे को टीम में शामिल किया गया है, जबकि कुलदीप यादव भी प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के दावेदार हैं। वहीं, बीमारी से उबर चुके केएल राहुल की वापसी लगभग तय मानी जा रही है। वह विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की जगह टीम में लौट

पिच रिपोर्ट

लॉर्ड्स की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं मानी जाती। यहां शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को अच्छी मदद मिलती है, जबकि मैच आगे बढ़ने के साथ बल्लेबाजी और मुश्किल हो जाती है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद कर सकती है। दिलचस्प बात यह है कि 2017 के बाद से लॉर्ड्स में कोई भी टीम लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए वनडे मैच नहीं जीत सकी है।

फीफा विश्व कप 2026 : न्यू जर्सी में आज फुटबॉल का महासंग्राम

मेसी के पास इतिहास रचने का, यामाल के सामने नया युग शुरू करने का है मौका

न्यू जर्सी, एजेंसी

फुटबॉल की दुनिया की सबसे बड़ी जंग का काउंटडाउन खत्म होने वाला है। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में आज आधी रात न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में अर्जेंटीना और स्पेन आमने-सामने होंगे। एक तरफ मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना है, जिसके पास लगातार दूसरी बार विश्व कप ट्रॉफी जीतकर इतिहास रचने का सुनहरा मौका है, तो दूसरी ओर यूरोपीय चैंपियन स्पेन 16 साल बाद फिर दुनिया का सिरमौर बनने के इरादे से मैदान में उतरेगा।

इस महामुकाबले का सबसे बड़ा आकर्षण अर्जेंटीना के दिग्गज कप्तान लियोनेल मेसी और स्पेन के युवा सनसनी लैमिन यामाल के बीच मुकाबला होगा। मेसी पहले ही अर्जेंटीना को विश्व कप और कोपा अमेरिका का खिताब दिलाकर महानतम खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। अब उनकी नजर लगातार दूसरा विश्व कप जीतने पर है। अर्जेंटीना ऐसा करता है तो वह 1962 के बाद लगातार दो विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। वहीं, यामाल अपने पहले विश्व कप में ही स्पेन को चैंपियन बनाकर फुटबॉल के नए युग की शुरुआत करना चाहेंगे। दुनिया भर के करोड़ों प्रशंसकों की नजरें इस ऐतिहासिक मुकाबले पर टिकी हैं।

स्पेन की दीवार जैसी डिफेंस, अर्जेंटीना का विस्फोटक अटैक

पूरे टूर्नामेंट में स्पेन का प्रदर्शन बेहद संतुलित रहा है। टीम ने सात मैचों में सिर्फ एक गोल खाया और छह क्लीन शीट दर्ज कीं। ग्रुप चरण में शुरुआती ड्रॉ के बाद स्पेन ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए सऊदी अरब, उरुग्वे और ऑस्ट्रिया को हराया। इसके बाद नॉकआउट में पुर्तगाल, बेल्जियम और सेमीफाइनल में फ्रांस को मात देकर फाइनल में जगह बनाई। रोड्री ने मिडफील्ड में कमाल का खेल दिखाया, जबकि मिकेल ओयार्जाबल और पेड्रो पोरो ने निर्णायक मौकों पर गोल कर टीम को जीत दिलाई। अर्जेंटीना का सफर स्पेन जितना आसान नहीं रहा। टीम को कई मुकाबलों में संघर्ष करना पड़ा। राउंड ऑफ–32 में अतिरिक्त समय में जीत मिली, मिस्र के खिलाफ 0–2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की और क्वार्टर फाइनल तथा सेमीफाइनल में भी दबाव झेलते हुए जीत दर्ज की। अर्जेंटीना ने पिछले पांच मुकाबलों में 12 गोल किए हैं, जो उसकी मजबूत आक्रमण क्षमता को दर्शाता है।

आंकड़े स्पेन के पक्ष में, लेकिन फाइनल की कहानी अलग होती है

विश्व कप इतिहास में दोनों टीमें पहली बार फाइनल में आमने–सामने होंगी। हालांकि अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के रिकॉर्ड में स्पेन का पलड़ा भारी है। दोनों टीमों के बीच पिछले चार मुकाबलों में स्पेन ने तीन बार जीत हासिल की, जबकि अर्जेंटीना केवल एक मैच जीत सका। 2018 में दोनों की आखिरी भिड़ंत में स्पेन ने अर्जेंटीना को 6–1 से करारी शिकस्त दी थी। हालांकि विश्व कप फाइनल में पुराने आंकड़े अक्सर मायने नहीं रखते। यहां एक गोल, एक गलती या एक शानदार मूव पूरे मैच की दिशा बदल सकता है। यही वजह है कि इस मुकाबले को लेकर दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है।

फ्रांस को 6-4 से रौंदकर इंग्लैंड ने जीता वर्ल्ड कप ब्रॉन्ज

एम्बाप्पे के रिकॉर्ड पर भारी पड़ी बुकायो साका की हैट्रिक

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में फैंस को इतिहास का सबसे रोमांचक और हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिला। सेमीफाइनल की निराशा को पीछे छोड़ते हुए इंग्लैंड की टीम ने फ्रांस को एक रोमांच से भरपूर मैच में 6-4 से हराकर वर्ल्ड कप ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। 1966 में विश्व विजेता बनने के बाद वर्ल्ड कप के इतिहास में इंग्लैंड का यह अब तक का सबसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। मैच में एक समय इंग्लैंड 4-0 से आगे था, लेकिन दूसरी हाफ में फ्रांस के स्टार फॉरवर्ड किलियन एम्बाप्पे के तूफान ने इंग्लैंड के खेमे में खलबली मचा दी। हालांकि, बुकायो साका की शानदार हैट्रिक और जूड बेलिंगहैम के आखिरी मिनट के जादुई गोल की बदौलत इंग्लैंडने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया।

मैच की शुरुआत से पहले किसी को भी इतने बड़े स्कोर की उम्मीद नहीं थी। इंग्लैंड ने अपनी शुरुआती प्लेइंग इलेवन में कप्तान हैरी केन और स्टार मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम को आराम दिया था, जबकि गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड की जगह डीन हेंडरसन को मौका मिला। कप्तान की आर्मबैंड पहने डेक्लान राइस (ष्ठद्गष्द्यड्डठ्ठ ऋद्बष्द्ग) ने मैच के शुरू होने के महज ढाई मिनट (2।5 मिनट) के भीतर पहला गोल दागकर फ्रांस को स्तब्ध कर दिया।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

विंबलडन में दिखी बॉलीवुड-हॉलीवुड की जुगलबंदी

उर्वशी रौतेला की टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने हाल ही में विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल में हॉलीवुड स्टार टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात की। अभिनेत्री ने इस मुलाकात का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने और हॉलीवुड स्टार ने सिनेमा के बारे में काफी दिलचस्प बातें कीं।

अभिनेत्री ने बताया, विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल में जाना मेरे लिए एक यादगार अनुभवों में से एक था। इटैलियन टेनिस प्लेयर जैनिक सिनर और जर्मन टेनिस प्लेयर अलेक्जेंडर जेवरेव को सबसे ऊंचे लेवल पर मुकाबला करते देखना सच में प्रेरणा देने वाला था। अभिनेत्री ने दोनों खिलाड़ियों के बारे में बात करते हुए बताया, उनके जुनून, अनुशासन और खेल भावना ने सभी को याद दिलाया कि विंबलडन टेनिस का शिखर क्यों बना हुआ है। जैनिक को शानदार जीत और अलेक्जेंडर को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई।

अभिनेत्री ने बातचीत में जोड़ा कि टॉम हिडलेस्टन से मिलकर यह दिन और भी यादगार बन गया। उन्होंने कहा, हमने पारंपरिक विंबलडन स्ट्रॉबेरी और क्रीम का मजा लेते हुए सिनेमा के बारे में बहुत अच्छी बातचीत की। मैंने हमेशा उनके काम की तारीफ की है, खासकर लोकी का उनका किरदार और उन्हें कैरेक्टर के विकास, उनके क्रिएटिव प्रोसेस और हर रोल के प्रति उनके डेडिकेशन के बारे में बोलते हुए सुनना बहुत दिलचस्प था।

मुझ पर जुनून ने छोड़ी छाप

अभिनेत्री ने बताया, हमने मार्वल के अलावा उनके कुछ बेहतरीन कामों पर भी बात की, जिसमें द नाइट मैनेजर, क्रिमसन पीक, और उनके मशहूर थिएटर परफॉर्मेंस शामिल हैं। उनकी विनम्रता, समझदारी, और कहानी कहने के जुनून ने मुझ पर गहरी छाप छोड़ी। यह लंदन की एक खूबसूरत दोपहर थी जिसमें एक ही जगह पर खेल, सिनेमा, और कल्चर का जश्न मनाया गया। विंबलडन सच में एक टाइमलेस अनुभव है, और यह एक ऐसा दिन है, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। अभिनेत्री हाल ही में बहुप्रतीक्षित एक्शन–कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आईं थी। यह वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है, जो अपने शानदार निर्देशन और स्टार–स्टड कास्ट के लिए जानी जाती है।

रश्मिका के समर्पण पर फिदा हुईं बृंदा मास्टर, मायसा के सेट से शेयर किया इमोशनल नोट

मुंबई। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपने बेहतरीन अभिनय के दम पर हर किसी के दिल में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री अपने हर किरदार को पर्दे पर जीवंत करने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं, जिसे देख मशहूर कोरियोग्राफर बृंदा मास्टर भी खुद को उनकी तारीफ करने से नहीं रोक पाईं।

शनिवार को इंस्टाग्राम के जरिए बृंदा मास्टर ने रश्मिका मंदाना की तारीफों के पुल बांधे। उन्होंने रश्मिका की आगामी फिल्म मायसा का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ÷मुझे बहुत खुशी है कि फिल्म %मायसा% में रश्मिका मंदाना के साथ काम करने का मौका मिला। रिहर्सल से लेकर शूटिंग तक इस गाने के लिए आपने जितनी मेहनत और तैयारी की है, वह सच में काबिल-ए-तारीफ है। आपकी लगन और मेहनत आपकी सफलता की सबसे बड़ी वजहों में से एक है। इंडस्ट्री में इतने साल रहने के बाद मैं यह कह सकती हूं कि मैंने बहुत कम ऐसी अभिनेत्रियां देखी हैं, जिनमें इतनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण हो। उन्होंने रश्मिका की तारीफ करते हुए लिखा, मैं आपको जब भी कोई सुधार बताता हूं, आप उसे हमेशा मुस्कुराकर स्वीकार करती हैं और तुरंत उस पर काम शुरू कर देती हैं। यहां तक कि दर्द में होने के बावजूद आपका ध्यान कभी नहीं हटता और आप और भी ज्यादा मेहनत करती हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस फिल्म के लिए आपकी मेहनत को जरूर महसूस करेंगे। मायसा की रिलीज का इंतजार है और दुनिया को पर्दे पर आपके बनाए जादू को देखने का इंतजार है। रविंद्र पुल्ले द्वारा निर्देशित फिल्म मायसा को अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी अपने बैनर अनफॉर्मूला फिल्म्स के तहत प्रोड्यूस कर रहे हैं।

मेट्रो बाजार

पीएम-अजय योजना से 47.59 लाख लोगों को मिला लाभ: सरकार

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के तहत अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार के अनुसार, यह योजना गरीबी कम करने, आजीविका के अवसर बढ़ाने और बुनियादी ढांचे के विकास के जरिए एससी समुदाय के जीवन स्तर में सुधार ला रही है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि सरकार की यह प्रमुख योजना टेक्नोलॉजी आधारित और परिणामोन्मुख (आउटकम ओरिएंटेड) कार्यप्रणाली के जरिए समावेशी विकास को बढ़ावा दे रही है। बयान के अनुसार, पीएम-अजय योजना के आदर्श ग्राम घटक के तहत देश भर के 47,316 गांवों को शामिल किया गया है, जिससे अब तक 47 लाख 59 हजार 399 नागरिकों को लाभ मिला है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि योजना के तहत अब तक 46,782 विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 24,133 विलेज डेवलपमेंट प्लान (वीडीपी) तैयार किए गए हैं। इसके अलावा, 16,759 गांवों को आदर्श ग्राम घोषित किया जा चुका है। इससे अनुसूचित जाति बहुल गांवों में बुनियादी ढांचे, मूलभूत सुविधाओं और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2026-27 में तीन छात्रावास परियोजनाओं के निर्माण के लिए 22.50 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जिनमें दो छात्रावास छात्राओं के लिए होंगे। इन परियोजनाओं के माध्यम से 750 विद्यार्थियों को आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

भारत टेक्स 2026 का वैश्विक डंका, मिले 14,300 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

नई दिल्ली । भारत के प्रमुख टेक्सटाइल प्रदर्शनी कार्यक्रम भारत टेक्स 2026 के तीसरे संस्करण में 130 से अधिक देशों के 6,000 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और करीब 1.30 लाख व्यापारिक आगंतुकों ने हिस्सा लिया। सरकार के अनुसार, इस आयोजन ने भारतीय पारंपरिक कला और टेक्सटाइल उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, 1.6 मिलियन वर्ग फुट क्षेत्र में आयोजित इस प्रदर्शनी में 20,000 से अधिक टेक्सटाइल उत्पाद प्रदर्शित किए गए। यह आयोजन भारतीय विरासत, उद्योग, सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) और वैश्विक व्यापार का प्रमुख मंच बनकर उभरा।

इस प्रदर्शनी में फाइबर, यार्न, फैब्रिक, अपैरल, होम टेक्सटाइल्स, टेक्निकल टेक्सटाइल्स, हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट्स सहित पूरे टेक्सटाइल वैल्यू चेन को शामिल किया गया। आयोजन में बिहार की प्रसिद्ध टिकुली आर्ट भी आकर्षण का केंद्र रही, जो अपनी चमकदार रंगों और बारीक इनामेल वर्क के लिए जानी जाती है। वहीं, करीब 120 बुनकरों का प्रतिनिधित्व करने वाली निर्यातक हैंडलूम कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड ने हैंडलूम एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की ओर से उपलब्ध कराए गए रियायती स्टॉल के माध्यम से अपने घरेलू स्तर पर तैयार किए जाने वाले हैंडलूम उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के सामने पेश किया। इस आयोजन में भारत और विदेशों से प्रदर्शकों, खरीदारों, निवेशकों, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जो भारतीय टेक्सटाइल सेक्टर में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दर्शाता है। प्रदर्शनी में 1,600 से अधिक प्रदर्शक और 11,000 से ज्यादा खरीदार शामिल हुए। इस दौरान 28,000 से अधिक बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) बैठकें आयोजित हुईं।

मालशेज घाट में प्रकृति का अद्भुत नजारा पहाड़ों से एक साथ फूट पड़े दर्जनों झरने

महाराष्ट्र। मानसून की दस्तक के साथ ही महाराष्ट्र का प्रसिद्ध मालशेज घाट एक बार फिर प्राकृतिक सौंदर्य की अनूठी तस्वीर पेश कर रहा है। बारिश के बाद हरे-भरे पहाड़ों से एक साथ गिरते दर्जनों छोटे-बड़े झरने यहां आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन गए हैं। पहाड़ों पर छाई धुंध, बादलों की चादर और चारों ओर फैली हरियाली के बीच झरनों का बहता पानी ऐसा दृश्य प्रस्तुत कर रहा है, मानो प्रकृति ने खुद अपनी खूबसूरत पेंटिंग तैयार की हो। मालशेज घाट की ऊंची पहाड़ियों से गिरते झरनों की कतार दूर तक नजर आती है। बारिश के मौसम में घाट का यह नजारा पर्यटकों को खासा आकर्षित करता है। ठंडी हवाओं और बादलों के बीच पहाड़ों से गिरती जलधाराएं यहां की खूबसूरती में चार चांद लगा देती हैं। बड़ी संख्या में लोग इस मनमोहक दृश्य को कैमरे में कैद करने और प्रकृति के करीब समय बिताने पहुंच रहे हैं। मानसून के दौरान मालशेज घाट की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं लगती।

आयकर विभाग ने 50 लाख के जेवर और 4 करोड़ की एफडी की सीज

मेरठ में 357 करोड़ रुपए का टैक्स घोटाला 3000 क्लाइंट्स को दिलाए अवैध रिफंड

मेरठ. एजेंसी

आयकर विभाग ने मेरठ में एक बड़े टैक्स रिफंड फ्राड का राजफाश किया है। 30 वर्षीय नैंसी अग्रवाल ने 357 करोड़ रुपये की फर्जी कर-धोखाधड़ी की। नैंसी अग्रवाल माधवपुरम क्षेत्र के इन्द्रा नगर स्थित अपने 35 वर्ग मीटर के घर से काम करते हुए तीन सालों में आयकर एक्ट की धारा 80जीजीसी का सिस्टमैटिक तरीके से गलत इस्तेमाल किया, जो लोगों को राजनीतिक दलों को दिए गए डोनेशन पर टैक्स कटौती का दावा करने की इजाजत देती है।

आरोपित देशभर में फैले 3,000 से अधिक क्लाइंट्स को गलत कटौतियों और फर्जी दावों के जरिये 65.5 करोड़ रुपए अवैध रिफंड दिलाने में कामयाब रही। उसने क्लाइंट्स की तरफ से गैर-मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को भारी डोनेशन देने का फर्जीवाड़ा किया। आयकर विभाग की टीम ने 14-15 जुलाई 2025 को 357 करोड़ के टैक्स रिफंड फ्राड के मामले में दिल्ली चुंगी स्थित गुप्ता ब्रदर्स के घर और आवास और इन्द्रा नगर निवासी नैंसी अग्रवाल के यहां सर्वे किया। टीम ने उस समय नैंसी अग्रवाल भारतीय स्टेट बैंक ब्रहमपुरी शाखा में दो बैंक लॉकर में रखे करीब 50 लाख के सोने के गहने व 4 करोड़ की फिक्स्ड डिपॉजिट को सीज किया था। तलाशी के दौरान करीब 5 लाख नकद, हाथ से लिखे लेजर, कंप्यूटर और लैपटॉप समेत कई दस्तावेजी और डिजिटल सबूत भी बरामद किए गए, जिनमें उसके क्लाइंट नेटवर्क की जानकारी थी।

नैंसी अग्रवाल।

आरोपित नैंसी अग्रवाल का बैंक लाकर, एफडी सीज

आयकर विभाग में इस मामले की जांच कर रही टीम के एक सदस्य ने बताया कि नैंसी अग्रवाल पिछले तीन सालों में आयकर एक्ट की धारा 80जीजीसी का सिस्टमैटिक तरीके से गलत इस्तेमाल किया। आरोपित ने रेफरल डिस्काउंट के जरिए देश भर में क्लाइंट नेटवर्क बनाया और लोगों को गलत कटौती का दावा करने के लिए लुभाया। अपने काम को बढ़ाने के लिए आरोपित ने क्लाइंट्स को प्रमोशनल डिस्काउंट का ऑफर दिया।

नैंसी अग्रवाल का आरोप-गुप्ता ब्रदर्स हैं आरोपित

नैंसी अग्रवाल का आरोप है कि 2014 में चावली देवी आर्य कन्या इन्टर कॉलेज ब्रह्मपुरी से 12वीं पास करने के बाद डीएन डिग्री कॉलेज मे बीकॉम में प्रवेश लिया। 2023-24 आयकर विवरणी भरने आदि की प्रक्रिया सीखने के लिए गुप्ता ब्रदर्स के यहां प्रशिक्षण लेना शुरू किया। 14-15 जुलाई 2025 को जब आयकर विभाग की टीम ने सर्वे किया तो उनके यहां भी यहां भी सर्वे हुआ। सर्वे में गुप्ता ब्रदर्स के प्रियम गुप्ता ने सारा दोष आयकर के सामने पर गढ़ दिया जबकि इस मामले से उनका कोई मतलब नहीं है।

विभाग के सभी आरोपों का दिया जाएगा जवाब

नैंसी ने कहा कि आयकर को जो भी सर्वे में मिला सबके सामने है। मेरे पिता संजीव कुमार गुप्ता एक निजी कंपनी में नौकरी करते है और मां रचना गृहणी है। भाई विशाल अभी पढ़ रहा है। आयकर विभाग को सभी आरोपों को जवाब दिया जाएगा। गुप्ता ब्रदर्स के प्रियम गुप्ता से इस बाबत बातचीत हुई तो उनका कहना था कि नैंसी अग्रवाल से उनका कोई लेना देना नहीं है न ही उसने कभी उनके यहां कोई प्रशिक्षण लिया। आयकर विभाग ने पिछले साल सर्वे जरूर किया था पर उसमें हमारे यहां कुछ भी गलत नहीं मिला।

आयकर विभाग ने भेजा नोटिस

क्लाइंट्स अधिकतर सैलरी पाने वाले लोग हैं, जो या तो जानबूझकर या अनजाने में फर्जी छूट के जरिए ज्यादा रिफंड दिलाने के अग्रवाल के वादों से लुभाए गए थे। इस पूरे प्रकरण की जांच कर रहे आयकर अधिकारी माखन मीना ने अब आरोपित पर मुकदमा चलाने और फर्जी दावों की रकम वसूलने के लिए फायदा उठाने वाले टैक्सपेयर्स को नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

एसआईटी कल सुप्रीम कोर्ट में सौंपेगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली. एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी की निष्पक्ष और तय समय-सीमा के भीतर जांच की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर 20 जुलाई को सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत की सूची के अनुसार, इस मामले से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाओं पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ सुनवाई करेगी।

13 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने इन याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए सहमति व्यक्त की थी। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी को निर्देश दिया था कि वह उसके समक्ष स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। अदालत ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी कर इस मामले में उसका जवाब मांगा था।

राम मंदिर ट्रस्ट को 'पब्लिक ट्रस्ट' बनाने की मांग : बता दें कि मामले में मुख्य पक्षकारों में से एक रहे निर्मोही अखाड़ा ने सुप्रीम कोर्ट

का दरवाजा खटखटाया। अखाड़े ने केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की मांग की है कि राम मंदिर का कामकाज संभालने वाले 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' का पुनर्गठन करके इसे पूरी तरह से एक 'पब्लिक ट्रस्ट' बनाया जाए।

निर्मोही अखाड़े की यह है मुख्य मांगें : अखाड़े का कहना है कि मौजूदा ट्रस्ट का ढांचा एक 'प्राइवेट ट्रस्ट' जैसा है, जो नवंबर 2019 में आए सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले की भावना के खिलाफ है। इसलिए केंद्र सरकार इस व्यवस्था को बदले। याचिका में मांग की गई है कि मौजूदा ट्रस्ट द्वारा अब तक किए गए सभी पैसों और संपत्तियों के लेन-देन की जांच के लिए एक 'फॉरेंसिक ऑडिटर' नियुक्त किया जाए।

लखनऊ : युवा वैज्ञानिक राहुल सिंह केस में पुलिस ने खंगाले बैंक खाते, चैट खोलेंगे राज

लखनऊ, एजेंसी

विभूतिखंड स्थित नोवोटेल होटल में मृत मिले महाराजगंज के युवा वैज्ञानिक राहुल सिंह की मौत के मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने विवेचना तेज कर दी है। जांच के तहत पुलिस ने राहुल के भाई रोहित से उनके बैंक खातों का ब्योरा मांगा है। साथ ही नामजद आरोपित कारोबारी चंद्रभूषण मिश्र के बैंक खातों की भी जांच की जा रही है।

राहुल के मोबाइल फोन से कई अहम डिजिटल साक्ष्य मिले हैं, जिनमें आरोपित के साथ हुई वाट्सएप चैट और रुपये के लेनदेन से जुड़ी बातचीत भी शामिल है। इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने बताया कि चंद्रभूषण मिश्र, उनके बेटे तपिश व उदित और बेटी तारिणी को जल्द नोटिस भेजकर पूछताछ की जाएगी। मौत के मामले में पुलिस ने नोएडा के व्यवसायी चंद्रभूषण मिश्रा और उनके तीन बच्चों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है इसलिए गिरफ्तारी की कार्रवाई नहीं की गई। अब विसरा रिपोर्ट का इंतजार है। महराजगंज के सिसवा क्षेत्र के बीजापार असमन छपरा निवासी 22 वर्षीय राहुल सिंह का शव मंगलवार सुबह नोवोटेल होटल के कमरे में मिला था।

हैदराबाद: डिप्रेशन से जूझ रही महिला नग्न होकर पहुंची मंदिर तालाब में कूदकर दे दी जान

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां मियापुर इलाके में मानसिक रूप से परेशान 25 वर्षीय पूर्व महिला तकनीशियन ने एक मंदिर के तालाब में कूदकर अपनी जान दे दी। पुलिस जांच में सामने आया है कि पीड़िता (मृतक महिला) और उसकी मां दोनों गंभीर मानसिक तनाव व भय से पीड़ित थीं। पीड़िता के माता-पिता के बीच वैवाहिक विवादों के कारण, पिता विशाखापत्तनम में रहते हैं। पुलिस को सुबह घटना की सूचना मिली, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तालाब से शव बरामद किया। पोस्टमार्टम के बाद शव महिला की मां को सौंप दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला के पिता को घटना की जानकारी दे दी गई है।

गोहत्या में मुफ्ती और दो सगे भाइयों को 10 साल की जेल, कोर्ट ने कहा- देश में गाय है गोमाता

मुजफ्फरनगर, एजेंसी

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने पांच वर्ष पुराने गोहत्या के मामले में दोषी मुफ्ती व दो सगे भाइयों को 10 साल की सजा सुनाई है। तीनों पर आठ-आठ लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। न्यायालय में पांच वर्ष तक मुकदमा चला, जिसमें अभियोजन की ओर से पांच गवाह, मांस के नमूनों की रिपोर्ट एवं जांच पेश की गई। इसमें गोहत्या होना सिद्ध हुआ।

निर्णय सुनाने के दौरान न्यायालय ने कहा कि गाय को

भारत में गोमाता दर्जा प्राप्त है और हिंदू समाज में गोमाता अत्यधिक पूजनीय है। गोहत्या से बहुसंख्यक हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। गोवंश सरंक्षण अधिनियम का पालन करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है तथा उसका उल्लंघन कानूनी अवहेलना है। जिला शासकीय अधिवक्ता राजीव शर्मा, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता कुलदीप कुमार ने बताया कि 24 जनवरी 2021 की रात लगभग 8:10 बजे गांव बुड़ीना में मुंशाद व आस मोहम्मद उर्फ आशू पुत्र अलीहसन के घर पर छापेमारी की थी। यहां पर दोनों भाइयों के साथ मुफ्ती अबूजर पुत्र शमीम बल्ब की रोशनी में गोवंश का मांस काट रहे थे।

मेट्रो एंकर

भविष्य में होने वाले युद्ध को लेकर पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे बोले-

तकनीक कितनी भी उन्नत हो, युद्ध का अंतिम फैसला सैनिक ही करता है

कोलकाता, एजेंसी

क्या भविष्य के युद्ध सिर्फ ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दम पर लड़े जाएंगे? क्या आधुनिक तकनीक सैनिक की भूमिका को कम कर देगी? इन सवालों पर पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने साफ-साफ जवाब दिया है। उनका कहना है कि तकनीक चाहे जितनी उन्नत हो जाए, युद्ध का अंतिम फैसला मैदान में लड़ने वाला सैनिक ही करता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कोलकाता और पूर्वोत्तर क्षेत्र में बड़े रक्षा विनिर्माण केंद्र बनने की अपार संभावना है।

कोलकाता में व्यान जियो-इकोनॉमिक फोरम (वीजीईएफ) की ओर से आयोजित संगोष्ठी 'विकसित भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक लचीलापन' को संबोधित करते हुए जनरल पांडे ने कहा कि भारत को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूर्वी भारत की क्षमता का पूरा इस्तेमाल करना होगा। पूर्व सेना प्रमुख सेवानिवृत्त जनरल पांडे ने कहा कि हाल के वर्षों में ड्रोन, सटीक निशाना लगाने वाले हथियार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल के बाद यह धारणा बनी है कि पारंपरिक युद्ध का दौर खत्म हो रहा है। उन्होंने इस सोच को गलत बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक युद्ध की ताकत जरूर बढ़ाती है, लेकिन वह केवल एक सहायक है। किसी भी युद्ध का परिणाम अकेले तकनीक तय नहीं करती। अंतिम निर्णय हमेशा सैनिक के साहस, प्रशिक्षण और नेतृत्व पर निर्भर करता है।

कोलकाता और पूर्वोत्तर बन सकते हैं रक्षा निर्माण के बड़े केंद्र : पांडे

पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि कोलकाता और पूर्वोत्तर भारत में रक्षा उद्योग के विकास की जबरदस्त संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि अपने सैन्य करियर के दौरान इस क्षेत्र में चार कार्यकाल बिताने के कारण वह इसकी क्षमताओं को करीब से जानते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आईआईटी-खड़गपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान, कुशल मानव संसाधन और बेहतर औद्योगिक आधार इस क्षेत्र को रक्षा निर्माण का मजबूत केंद्र बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि असम इस दिशा में अच्छी प्रगति कर चुका है और अब पश्चिम बंगाल के पास भी इस अवसर का लाभ उठाने का सही समय है। इसके लिए राज्य सरकार की सकारात्मक नीतियां अहम भूमिका निभा सकती हैं।

अब युद्ध सिर्फ जमीन, समुद्र और आसमान तक सीमित नहीं रहे

जनरल पांडे ने कहा कि आने वाले समय में युद्ध सिर्फ जमीन, समुद्र और आसमान तक सीमित नहीं रहेंगे। साइबर स्पेस, अंतरिक्ष, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना युद्ध जैसे नए क्षेत्र भी उतने ही महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों को इन नई चुनौतियों के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा। इसके लिए सिर्फ हथियारों का आधुनिकीकरण काफी नहीं होगा, बल्कि मानव संसाधन, तीनों सेनाओं के बीच तालमेल, संगठनात्मक ढांचे और सैन्य रणनीति में भी बदलाव जरूरी होगा। उन्होंने यह भी कहा कि पारंपरिक सैन्य प्लेटफॉर्म जैसे टैंक और तोपखाने को ड्रोन, सेंसर और नेटवर्क आधारित प्रणालियों के साथ जोड़ना समय की जरूरत है, ताकि युद्ध क्षमता को और प्रभावी बनाया जा सके।

सिक्किम में NH-10 पर लैंडस्लाइड, कई गाड़ियां फंसीं

गंगटोक. एजेंसी। भारी बारिश के कारण सिक्किम के NH-10 पर भयंकर भूस्खलन हुआ है। बारडांग के पास सिंगटॉम-रंगपो सड़क मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया है। सड़क पर मलबा आने के कारण इस रूट पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह से रोक दिया गया है।

लैंडस्लाइड की जानकारी मिलते ही प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। सड़क को जल्द से जल्द खोलने के लिए मलबा हटाने का जाम काम जारी है। जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से रास्ता साफ करने की कोशिश की जा रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564